सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

वर्ष–01 अंक–106 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, बुधवार 06 मई 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

सु-विचार

"सब्र करना सीख लो, क्योंकि जब भी तुम्हारा वक्त आएगा तो बिना मांगे सब मिल जाएगा ...!! "

अज्ञात...

तमिलनाडु में एक वोट से पलटा खेल, दो बार के मंत्री को विजय की पार्टी ने दी शिकस्त

नई दृष्टिबिंदु / चेन्नई

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव की मतगणना में एक विधानसभा सीट का नतीजा पूरे देश में चर्चा का विषय बन गया है। यहां सत्ताधारी दल के दिग्गज नेता और दो बार के मंत्री रहे सीनियर विधायक को महज एक वोट से हार का सामना करना पड़ा। सुपर स्टार अभिनेता से नेता बने विजय की नवगठित पार्टी के प्रत्याशी ने इस सीट पर ऐतिहासिक जीत दर्ज की है।

कांटे की टक्कर, हर राउंड में बदला समीकरण

पलानीपट्ट विधानसभा सीट पर सुबह से ही मुकाबला कांटे का रहा। पहले राउंड से आखिरी राउंड तक बढ़त कभी एक पक्ष तो कभी दूसरे पक्ष के पास गई। 22 राउंड की गिनती के बाद भी स्थिति साफ नहीं हुई। पोस्टल बैलेट की गिनती में भी दोनों प्रत्याशी लगभग बराबर रहे।

अंतिम आंकड़ा : 1 वोट का अंतर

निर्वाचन आयोग के अंतिम आंकड़ों के मुताबिक विजय की पार्टी टीवीके के प्रत्याशी आर. कुमारन को 78,451 वोट मिले। वहीं सत्ताधारी दल के प्रत्याशी और दो बार के मंत्री एस. मुरुगन को 78,450 वोट प्राप्त हुए। तीसरे नंबर पर भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार रहे जिन्हें 12,340 वोट मिले। नोटा में 1,205 वोट पड़े।

रि-काउंटिंग की मांग, हंगामा

नतीजा घोषित होते ही एस. मुरुगन के समर्थकों ने रि-काउंटिंग की मांग को लेकर हंगामा किया। रिटर्निंग ऑफिसर ने नियमानुसार दोबारा गिनती कराई। दूसरी गिनती में भी अंतर एक वोट का ही निकला। इसके बाद विजय के प्रत्याशी को विजयी घोषित किया गया।

वीवीपैट पर्चियों से मिलान

नियम के तहत पांच बूथों की वीवीपैट पर्चियों का मिलान भी कराया गया। मिलान में भी ईवीएम के आंकड़े सही पाए गए। एक वोट से हार के बाद एस. मुरुगन ने कहा कि वे जनादेश का सम्मान करते हैं। वहीं विजयी प्रत्याशी आर. कुमारन ने कहा कि यह जनता की जीत है।

पार्टी कार्यकर्ताओं में जश्न

एक वोट से मिली इस जीत के बाद टीवीके कार्यकर्ताओं ने पलानीपट्ट में जमकर जश्न मनाया। विजय ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट कर जनता का आभार जताया। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि एक वोट से हार-जीत का यह नतीजा तमिलनाडु की राजनीति में लंबे समय तक याद रखा जाएगा।

पलानीपट्ट विधानसभा : अंतिम परिणाम

प्रत्याशी	पार्टी	प्राप्त मत
आर. कुमारन	टीवीके	78,451
एस. मुरुगन	सत्ताधारी दल	78,450
के. सेल्वम	निर्दलीय	12,340
नोटा	–	1,205
जीत का अंतर		*1 वोट*

विशेष टिप्पणी

बंगाल विजय से भाजपा में नई ऊर्जा, मोदी ने नबीन को आगे कर दिया एकजुटता का संदेश

आलोक तिवारी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में मिली ऐतिहासिक जीत ने भारतीय जनता पार्टी में नई ऊर्जा भर दी है। इस जीत के बाद भाजपा का शीर्ष नेतृत्व आरएसएस के विचारों को शेष बचे राज्यों तक पहुंचाने के लिए और उत्साहित नजर आ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह समेत तमाम बड़े नेता इस विजय का संदेश बूथ स्तर तक हर कार्यकर्ता को देने में जुटे हैं।

परिणाम के बाद दिल्ली में हुए जश्न का मेगा शो कई मायनों में खास रहा। मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितीन नबीन एक साथ मौजूद थे। इस आयोजन में दो दृश्य सबसे ज्यादा चर्चा में रहे। पहला दृश्य तब बना जब प्रधानमंत्री मोदी ने मंच पर पीछे खड़े राष्ट्रीय अध्यक्ष नितीन नबीन का हाथ थामकर उन्हें सामने लाया। मोदी के साथ नबीन ने भी हजारों कार्यकर्ताओं का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। कार्यकर्ताओं में इस पल को देखकर जबरदस्त उत्साह दिखा।

दूसरा बड़ा संदेश तब मिला जब स्वागत के दौरान प्रधानमंत्री के लिए लाई गई गुलाब के फूलों की बड़ी माला को मोदी ने खुद राष्ट्रीय अध्यक्ष नितीन नबीन को पहना दिया। माला पहनाने के बाद मोदी ने नबीन की पीठ ठोककर बधाई भी दी।

प्रधानमंत्री का भाषण भी संकेतों से भरा था। उन्होंने पार्टी और देश के सामने आने वाली चुनौतियों को स्वीकार करते हुए समर्पित कार्यकर्ताओं और नेताओं को निष्ठा का संदेश दिया। मोदी का यह अंदाज कश्मीर से कन्याकुमारी और अटक से कटक तक भाजपा कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भरने वाला रहा। बंगाल की जीत के बाद शीर्ष नेतृत्व का यह सामूहिक प्रदर्शन बताता है कि पार्टी आने वाले राज्यों के चुनावों के लिए एकजुटता और नए नेतृत्व को आगे बढ़ाने के मूड में है। मंच से दिया गया यह संदेश साफ है कि संगठन में नए चेहरों को सम्मान और पुराने कार्यकर्ताओं को निष्ठा का भरोसा, दोनों साथ चलेंगे।

पुलिस की सजगता से टला अपहरण पद्मश्री फुलबासन बाई सकुशल बरामद

राजनांदगांव पुलिस ने चार आरोपियों को किया गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

राजनांदगांव पुलिस की तत्परता से सोमवार को एक बड़े आपराधिक मामले का खुलासा हुआ है। गठुला रोड पर ट्रैफिक चेकिंग के दौरान पुलिस ने पद्मश्री फुलबासन बाई यादव के अपहरण का प्रयास विफल कर चार आरोपियों को हिरासत में लिया है।

सेल्फी के बहाने बैठाया कार में

सुबह करीब 11 बजे फुलबासन बाई को उनके एक परिचित ने सेल्फी लेने के बहाने वाहन में बैठाया। कार में पहले से दो पुरुष और एक अन्य महिला मौजूद थी। आरोपियों ने फुलबासन बाई को जबरन कार में ले जाकर अपहरण की कोशिश की।

सीट बेल्ट चेकिंग में खुला राज

गाठिला रोड पर ड्यूटी पर तैनात ट्रैफिक निरीक्षक नवरत्न कश्यप और टीम ने सीट बेल्ट न लगाने पर कार रोकी। पीछे बैठी महिला की संदिग्ध स्थिति देखकर पूछताछ की गई। आरोपियों ने महिला को मिर्गी का दौरा पड़ने की बात कहकर गुमराह करने की कोशिश की।

पुलिस की सूझबूझ से बचीं फुलबासन

इंस्पेक्टर कश्यप और टीम को शक हुआ। सभी को कार से उतारकर जांच की गई तो महिला की पहचान पद्मश्री फुलबासन बाई के रूप में हुई। पुलिस ने उन्हें तत्काल सुरक्षित मुक्त कराया और चारों आरोपियों को हिरासत में लेकर थाने पहुंचाया। पुलिस ने बताया कि मामले में एफआईआर दर्ज की जा रही है और विस्तृत जांच जारी है। राजनांदगांव पुलिस ने इस कार्रवाई को सतत सक्रिय और सतर्क पुलिसिंग का उदाहरण बताया है।

ऑनलाइन सट्टा गिरोह का भंडाफोड़, दो आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। पुलिस ने ऑनलाइन सट्टा संचालित करने वाले एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नमन जग्गी और आयुष जैन के रूप में हुई है। दोनों पर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए सट्टा खिलाने और अवैध रूप से धन अर्जित करने का आरोप है। पुलिस कार्रवाई के दौरान आरोपियों के कब्जे से मास्टर आईडी, सट्टा पैनल, सट्टा-पट्टी और करोड़ों रुपये के लेनदेन से जुड़े दस्तावेज बरामद किए गए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इस नेटवर्क के जरिए बड़े पैमाने पर ऑनलाइन सट्टा कारोबार संचालित किया जा रहा था।

पारिवारिक विवाद में बाउंसर ने सालियों पर चलाई गोली, एक की मौत, दूसरी की हालत गंभीर

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

पंडरी थाना क्षेत्र के सुंदरी पारा में सोमवार को पारिवारिक विवाद ने खौफनाक रूप ले लिया। पेशे से बाउंसर जीतेन्द्र वर्मा ने अपनी दो सालियों पर लाइसेंसी पिस्टल से फायरिंग कर दी। हमले में एक युवती की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरी गंभीर रूप से घायल है।

मोवा से आकर दिया वारदात को अंजाम

जानकारी के मुताबिक आरोपी जीतेन्द्र वर्मा मोवा बाजार चौक का रहने वाला है। पत्नी से पारिवारिक विवाद के चलते वह सुंदरी पारा स्थित ससुराल पहुंचा। वहां दोनों सालियों से कहासुनी हुई। इसी बीच उसने पिस्टल निकालकर फायरिंग कर दी।

मेडिकल और मेन रोड पर भी चलाई गोली

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आरोपी ने घर के बाहर मेन रोड स्थित जय दुर्गा मेडिकल के अंदर और मोवा मेन रोड पर उषा प्राइड के सामने भी फायरिंग की। गोलियों की आवाज से इलाके में दहशत फैल गई।

डीसीपी मौके पर, आरोपी गिरफ्तार

घटना की सूचना मिलते ही पंडरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। डीसीपी मयंक गुर्जर ने भी घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने आरोपी को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया है। डीसीपी गुर्जर ने बताया कि पत्नी से पारिवारिक विवाद के चलते आरोपी ने वारदात को अंजाम दिया। लाइसेंसी पिस्टल जब्त कर ली गई है। घायल युवती को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

पुलिस ने पूरे इलाके में की नाकेबंदी, अपराध दर्ज दर्ज कर जांच शुरू की

ज्वेलर्स के मैनेजर पर तलवार से हमला, 1 करोड़ के गहने लूटे

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

राजधानी से लगे खरोरा इलाके में सोमवार देर शाम बड़ी लूट की वारदात हुई। तिल्दाडीह से दुकान बंद कर खरोरा लौट रहे ज्वेलर्स के मैनेजर पर बदमाशों ने तलवार से हमला कर करीब 1 करोड़ रुपये के सोने-चांदी के जेवरात लूट लिए।

बाइक सवार बदमाशों ने रोका

जानकारी के मुताबिक विनीत सोनी के मैनेजर दूसरी ब्रांच से जेवरात लेकर खरोरा लौट रहे थे। रास्ते में बाइक सवार 2 से 3 बदमाशों ने उन्हें रोक लिया। विरोध करने पर बदमाशों ने तलवार से हमला कर दिया और जेवरात से भरा बैग लूटकर फरार हो गए।

हालत नाजुक, अस्पताल में भर्ती

हमले में गंभीर रूप से घायल मैनेजर को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के अनुसार उनकी हालत नाजुक बनी हुई है।

नाकेबंदी कर तलाश शुरू

घटना की सूचना मिलते ही खरोरा थाना पुलिस, क्राइम ब्रांच और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने पूरे इलाके में नाकेबंदी कर दी है। आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस ने जल्द आरोपियों को पकड़ने का दावा किया है। फिलहाल अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

सेल-बीएसएल कर्मियों के 64 लंबित मुद्दों पर उबाल, 8 को पदयात्रा का ऐलान

नई दृष्टिबिंदु / बोकारो

सेल कॉर्पोरेट कार्यालय और बोकारो इस्पात संयंत्र प्रबंधन की कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ बीएकेएस यूनियन ने 8 मई को आक्रोशपूर्ण पदयात्रा और प्रदर्शन का ऐलान किया है। यूनियन के महासचिव हरिओम कुमार ने निदेशक प्रभारी को पत्र लिखकर 64 लंबित मुद्दों के समाधान की मांग की है। समाधान नहीं होने पर हड़ताल, काम रोको और गेट जाम की चेतावनी दी गई है।

34 कॉर्पोरेट स्तर के मुद्दे लंबित: पत्र में कहा गया कि 2017 का वेज रीविजन 9 वर्ष 4 माह से लंबित है। 39 माह का फिटमेंट एरियर और 58 माह का पर्क्स एरियर 5 साल से अटका है। बोनस फॉर्मूला, 2007 इंसेंटिव, पे स्केल सुधार, फेस्टिवल एडवांस, आवास और वाहन ऋण 14 साल से बंद हैं। एनजेसीएस की फुल मीटिंग 2024 के बाद एक भी नहीं हुई। एसईएसबीएफ की कॉर्पस राशि को बिना सहमति एनपीएस में ट्रांसफर करने, एस11 ग्रेड में स्टैंगेनेशन इंक्रीमेंट न देने, दुर्घटना बीमा, लैपटॉप एडवांस, शिक्षा भत्ता समेत 34 मुद्दे कॉर्पोरेट स्तर पर अटके हैं।

बीएसएल स्तर पर 30 मुद्दे अटके : बोकारो इस्पात संयंत्र में सीक्रेट बैलेट से यूनियन चुनाव न कराने, एसीआर ग्रेडिंग सार्वजनिक न करने, बीजीएच में गंभीर बीमारियों के इलाज में भेदभाव, रेस्ट रूम में सुविधाओं का अभाव, आवास आवंटन में खामी, कैंटीन सुविधा, सुरक्षा उपकरणों की कमी, होली-दिवाली पर सवैतनिक अवकाश न देने समेत 30 मुद्दे लंबित हैं। यूनियन ने मल्टी स्किल योजना शुरू करने और उच्च ग्रेड में इंटरनल सर्कुलर निकालने की भी मांग की।

8 मई को मजदूर मैदान से टू टैंक तक पदयात्रा : महासचिव हरिओम कुमार ने कहा कि इस्पात मंत्री, श्रम मंत्री, प्रधानमंत्री तक कई बार पत्र भेजे गए लेकिन 3-4 साल में कोई कार्रवाई नहीं हुई। मजबूर होकर यूनियन 8 मई शुक्रवार को मजदूर मैदान सेक्टर-4 से टू टैंक धरना स्थल तक आक्रोश पदयात्रा निकालेगी। वहां जनसभा होगी।

चेतावनी-हड़ताल और गेट जाम करेंगे : पत्र में चेतावनी दी गई है कि सकारात्मक पहल नहीं हुई तो यूनियन हड़ताल, काम रोको, टूल डाउन और गेट जाम करेगी। इसकी जिम्मेदारी सेल कॉर्पोरेट कार्यालय और बीएसएल प्रबंधन की होगी। पत्र की प्रतिलिपि चेयरमैन, इस्पात मंत्रालय, श्रमायुक्त और ईडी एचआर को भी भेजी गई है।

नदी किनारे गांजा के साथ युवक गिरफ्तार

रायपुर। कमिश्नरेट पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना डीडी नगर पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति खारुन नदी किनारे संदिग्ध रूप से गांजा लेकर बिक्री के उद्देश्य से खड़ा है। मुखबिर सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां एक संदिग्ध व्यक्ति को घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम सागर ध्रुवलहरे (19 वर्ष) निवासी जिला बलौदा बाजार बताया। आरोपी की तलाशी लेने पर उसके पास से एक सफेद प्लास्टिक बोरी में रखे कुल 3 किलो 600 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत लगभग 1,80,000 है। पुलिस द्वारा आरोपी के विरुद्ध धारा 20(बी) NDPS एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

समोदा अफीम कांड का खुलासा करने वाले सरपंच अरुण गौतम बर्खास्त, कोर्ट ने निर्वाचन किया रद्द

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

ग्राम पंचायत समोदा के सरपंच अरुण गौतम, जिन्होंने पूर्व में अफीम कांड समेत कई मामलों का खुलासा करने का दावा किया था, अब खुद कानूनी शिकंजे में फंस गए हैं। चुनाव याचिका पर सुनवाई करते हुए अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं विहित प्राधिकारी पंचायत दुर्ग ने उनका सरपंच निर्वाचन शून्य घोषित कर दिया है।

5 मई 2026 को जारी आदेश में कोर्ट ने पाया कि अरुण गौतम ने नामांकन पत्र के साथ प्रस्तुत शपथ-पत्र में अपने विरुद्ध लंबित आपराधिक प्रकरणों की जानकारी छिपाई थी। इसे पंचायत निर्वाचन नियमों का उल्लंघन माना गया।

चुनाव याचिका में लगाए गए थे गंभीर आरोप

यह याचिका श्रीमती भुनेश्वरी देशमुख (पत्नी सुखनंदन देशमुख) द्वारा दायर की गई थी। याचिका में आरोप लगाया गया था कि अरुण गौतम ने चुनाव लड़ते समय शपथ-पत्र में आपराधिक मामलों की सही जानकारी नहीं दी। कोर्ट में प्रस्तुत दस्तावेजों के अनुसार थाना पुलगांव के अपराध क्रमांक 547/2019, 381/15 तथा आरसीसी/11256/2019 का उल्लेख किया गया, जिसमें धारा 147, 148, 149, 307, 323, 294, 506 भा.दं.वि. शामिल हैं। इनमें हत्या के प्रयास की धारा 307 भी दर्ज है।

चुनाव में इतने मिले थे वोट

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2025 में अरुण गौतम को 869 वोट मिले थे, जबकि भुनेश्वरी देशमुख को 741 वोट प्राप्त हुए थे।

कोर्ट ने क्या कहा

सुनवाई के बाद कोर्ट ने माना कि अरुण गौतम ने छत्तीसगढ़ पंचायत निर्वाचन नियम 1995 के नियम 31(क) का उल्लंघन किया है। साथ ही रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा आपत्ति खारिज करने के निर्णय को भी नियम विरुद्ध बताया गया।

आदेश में दिए गए निर्देश

अरुण गौतम का सरपंच निर्वाचन शून्य घोषित किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत दुर्ग को उप-चुनाव की प्रक्रिया शुरू करने राज्य निर्वाचन आयोग को रिपोर्ट भेजने निर्देश दिए गए। याचिकाकर्ता की 500 रुपये प्रतिभूति राशि वापस करने कहा गया।

गांव में फिर चुनावी माहौल

इस फैसले के बाद ग्राम समोदा में उप-चुनाव की चर्चाएं तेज हो गई हैं और राजनीतिक हलचल बढ़ गई है। फिलहाल अरुण गौतम पक्ष की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, हालांकि आगे कानूनी चुनौती की संभावना बनी हुई है।

आनंद सरोवर में सहकारिता विभाग का स्नेह मिलन, आध्यात्मिक सशक्तिकरण पर दिया जोर

दैनिक जीवन और कार्यस्थल पर उत्पन्न तनाव को दूर करने ब्रह्माकुमारी संस्था ने बताए आध्यात्मिक उपाय

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, आनंद सरोवर बघेरा में कार्यालय संयुक्त आयुक्त सहकारिता एवं संयुक्त पंजीयन सहकारी संस्थाएं, दुर्ग संभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आध्यात्मिक सशक्तिकरण के माध्यम से नैतिक मूल्यों की पुनर्स्थापना तथा सहकारिता के लक्ष्यों को और प्रभावी बनाना रहा। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा सर्व के सहयोग से सुखमय संसार की भावना को केंद्र में रखते हुए आध्यात्मिक जागरूकता पर विशेष बल दिया गया। संस्था पिछले लगभग 90 वर्षों से समाज में आध्यात्मिक मूल्यों के प्रसार हेतु कार्यरत है।

इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी रीटा दीदी (संचालिका, दुर्ग) ने कहा कि आध्यात्मिक सशक्तिकरण के लिए आत्मिक जागृति आवश्यक है। उन्होंने बताया कि जब व्यक्ति स्वयं को केवल शरीर मानकर जीवन जीता है, तब तनाव और चिंता उत्पन्न होती है, जबकि आत्मा स्वरूप की स्मृति में रहने से शांति, प्रेम और आनंद की अनुभूति सहज हो जाती है। उन्होंने राजयोग को परमात्मा से जुड़ने का माध्यम बताते हुए इसे जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

संयुक्त आयुक्त सहकारिता एवं संयुक्त पंजीयन सहकारी संस्थाएं, दुर्ग संभाग मुकेश कुमार ध्रुव ने कहा कि दैनिक जीवन और कार्यस्थल पर उत्पन्न तनाव को दूर करने में ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा बताए गए आध्यात्मिक उपाय अत्यंत उपयोगी हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से कार्यक्षमता में वृद्धि होती है और मानसिक संतुलन बना रहता है। आयोजन के लिए उन्होंने संस्था के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ब्रह्माकुमारी चैतन्य प्रभा बहन ने कहा कि शांति, खुशी और आनंद बाहरी परिस्थितियों में नहीं, बल्कि हमारे भीतर ही विद्यमान हैं। सकारात्मक संकल्प जैसे मैं शांत हूं, मैं खुश हूं, मैं शक्तिशाली हूं अपनाने से मन स्थिर और हल्का बना रहता है। इस अवसर पर युगल कुमार मिश्रा (अंकेक्षण अधिकारी, सहकारी संस्थाएं, दुर्ग संभाग) सहित बड़ी संख्या में सहकारिता विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

खास खबर

वार्ड 59 और 60 में पेयजल समस्या से निपटने बिजली सप्लाई रहेगी अस्थायी रूप से बंद

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

भीषण गर्मी के चलते बढ़ती पेयजल समस्या को देखते हुए नगर पालिक निगम दुर्ग ने अहम कदम उठाया है। निगम क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 59 हरिनगर एवं वार्ड क्रमांक 60 कातुलबोर्ड में जलापूर्ति को सुचारू बनाने के लिए निर्धारित समय पर विद्युत सप्लाई अस्थायी रूप से बंद रखने का निर्णय लिया गया है।

निगम प्रशासन के अनुसार, इन दिनों गर्मी के कारण पानी की खपत में काफी बढ़ोतरी हुई है। वहीं, टुल्लू पंपों के अधिक उपयोग से जल वितरण व्यवस्था प्रभावित हो रही है, जिससे विशेषकर अंतिम छोर के घरों तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पा रहा है। इस समस्या के समाधान के लिए जलापूर्ति के समय प्रातः 8:30 बजे से 9:30 बजे तक बिजली बंद रखी जाएगी, ताकि पानी का समान वितरण सुनिश्चित किया जा सके और सभी नागरिकों को पर्याप्त पेयजल मिल सके। निगम का कहना है कि इस व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य जलापूर्ति प्रणाली को संतुलित करना और लोगों को पेयजल संकट से राहत देना है। नगर निगम ने आमजन से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि निर्धारित समय में संयम रखें और अनावश्यक पानी के उपयोग से बचें, ताकि सभी तक समान रूप से पानी की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके।

माता-पिता से बेहतर काउंसलर कोई नहीं, अपने बच्चों को दें पूरा समय : चिरंजीव जैन

भिलाई। टाइगर कैपिटल के सहयोग से इंडिया खेलो फुटबॉल (आईकेएफ) के सीजन-6 के ट्रायल के दौरान वरिष्ठ पैरेंटिंग कोच चिरंजीव जैन ने पालकों और उभरते फुटबॉलरों से संवाद किया। उन्होंने वर्तमान समय में बच्चों की परवरिश में सामने आ रही चुनौतियों का जिक्र करते हुए पालकों को कुछ सुझाव भी दिए। उल्लेखनीय है कि यहां 2 और 3 मई 4 अलग-अलग सत्रों में सेक्टर-2 के फुटबॉल ग्राउंड में ट्रायल रखा गया था। जिसमें 200 से ज्यादा उभरते फुटबॉलरों ने अपने खेल का प्रदर्शन किया।

ट्रायल के आखिरी दौर के बाद 3 मई की शाम पैरेंटिंग कोच चिरंजीव जैन का संवाद सत्र रखा गया। उन्होंने इस दौरान समाज में खास तौर पर बच्चों के बीच बढ़ते स्क्रीन टाइम और डिजीटल दुनिया में बढ़ती निर्भरता को बड़ी चुनौती बताया। उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि आज स्मार्ट फोन की लत के चलते मैदान के बजाए डिजीटल दुनिया में खेल खेला जा रहा है, जो हमारी शारीरिक और मानसिक सेहत के लिए बेहद नुकसानदायक है। उन्होंने उभरते हुए खिलाड़ियों को सलाह दी कि दूसरों को भी खेल के लिए प्रेरित करें। जैन ने पालकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को समय दें और उन्हें सुनने की कोशिश करें। क्योंकि किसी भी बच्चे के लिए माता-पिता से बेहतर काउंसलर कोई नहीं होता। जिस तरह किसी भी पौधे की शुरूआती अवस्था में सुरक्षा के लिए उसके चारों तरफ से घेरा लगाना जरूरी होता है, ठीक उसी तरह बच्चों को भी एक उम्र तक पैरेंट्स की जरूरत पड़ती है। इसलिए अपने बच्चों को भरपूर समय दें और उनके खानपान के साथ नींद पर भी ध्यान दें।

दुर्ग निगम की महापौर अलका बाघमार ने ली एमआईसी सदस्यों की बैठक, कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर हुई चर्चा

रोड से स्टेशन रोड तक केनाल रोड निर्माण कार्य को लेकर भी विचार-विमर्श

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नगर पालिक निगम दुर्ग की महापौर अलका बाघमार की अध्यक्षता में एमआईसी (मेयर इन काउंसिल) सदस्यों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई शाम 4 बजे डाटा सेंटर में आयोजित इस बैठक में निर्माण कार्यों, शहर सौंदर्यीकरण, सड़क चौड़ीकरण, कर व्यवस्था एवं विभिन्न विकास कार्यों से जुड़े कई अहम एजेंडों पर विस्तार से चर्चा की गई। चर्चा उपरांत अनेक प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की गई।

इस अवसर पर आयुक्त सुमित अग्रवाल, एमआईसी सदस्य देव नारायण चन्द्राकर, नरेंद्र बंजारे, शेखर चन्द्राकर, लीना दिनेश देवांगन, ज्ञानेश्वर ताम्रकर,काशीराम कोसरे,नीलेश अग्रवाल,मनीष साहू, लीनधर पाल,शिव नायक, शशि साहू, हर्षिका संभव जैन,कार्यपालन अभियंता विनीता वर्मा,प्रकाश चंद थवानी, मो.सलीम सिद्दीकी, गिरिश दिवान, दुर्गेश गुप्ता, सुरेश केवलानी, रेवाराम मनु, अभ्दय मिश्रा सहित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

बैठक में महापौर द्वारा मंगाए गए 10 बिंदुओं पर विभागीय जानकारी प्रस्तुत की गई और संबंधित विषयों पर सदस्यों ने विचार-विमर्श किया। नगर निगम के बाजार विभाग के नियंत्रणाधीन नव-निर्मित जलगृह व्यावसायिक परिसर की तेरहवीं निविदा पर भी चर्चा हुई। निविदाकारों में श्रीमती गणेश्वरी पटेल, सौरभ पटेल, राघवेंद्र वर्मा, रूप सिंह वर्मा, रिचा अग्रवाल एवं रितेश अग्रवाल शामिल रहे। ऑफर दर ऑफसेट मूल्य से अधिक होने के कारण इस विषय को भी अगले एमआईसी में निर्णय हेतु रखा गया है,जिसको स्वीकृति दी गई।

बैठक में शहर के करदाताओं को राहत देते हुए संपत्तिकर में छूट देने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। वर्ष 2026-27 में अग्रिम संपत्तिकर जमा करने वाले करदाताओं को अप्रैल से जून तक 6 प्रतिशत, जुलाई से सितंबर तक 4 प्रतिशत तथा अक्टूबर से दिसंबर तक 2 प्रतिशत की छूट देने का प्रस्ताव स्वीकृत किया गया। मनीष पारख (मेघगंगा ग्रुप) द्वारा अग्रसेन चौक तक स्वयं के व्यय से सौंदर्यीकरण कार्य कराने संबंधी प्रस्ताव को भी स्वीकृति दी गई।

शहर के अधोसंरचना विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं पर भी बैठक में चर्चा हुई। इनमें नगरोत्थान योजना अंतर्गत धमधा मार्ग से आदित्य नगर होते हुए रायपुर नाका अंडरब्रिज तथा हनुमान नगर से जुनवानी रोड तक सड़क चौड़ीकरण एवं उन्नयन कार्य शामिल हैं।

इसके अलावा राजेंद्र पार्क चौक से शहीद चौक होते हुए अंडरब्रिज तक तथा आईएमए चौक से अग्रसेन चौक तक फोरलेन सड़क निर्माण कार्य पर भी चर्चा की गई। अधोसंरचना मद अंतर्गत साइंस कॉलेज के बाजू स्थित केनाल रोड पर जीई रोड से स्टेशन रोड तक केनाल रोड निर्माण कार्य को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया।

बैठक के अंत में प्रशासनिक भवन के पीछे मजार के समीप स्थित दुकान को निरस्त करने का निर्णय लिया गया। महापौर ने विद्युत एवं जल कार्य विभाग के अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। बैठक में कुआँ चौक क्षेत्र में यातायात बाधित करने वाले ठेले-खोमचे हटाने और दोबारा अतिक्रमण न होने की सख्त हिदायत दी गई। पुराना बस स्टैंड से कपड़ा मार्केट तक नो वेंडिंग जोन घोषित किया गया। साथ ही महिला समृद्धि बाजार की दुकान खाली कराने हेतु पुनः नोटिस जारी करने और ओम ज्वेलर्स द्वारा किए गए सड़क अतिक्रमण को हटाने के निर्देश दिए गए।

बैठक में कहा गया कि भीषण गर्मियों को ध्यान में रखते हुए नागरिक पानी व्यर्थ न बहने दें। अपने घर एवं घर के बाहर लगे नलों में अनिवार्य रूप से टोटी लगवाएं, ताकि पानी की बचत सुनिश्चित हो सके। साथ ही अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे प्रातःकालीन निरीक्षण कर जिन स्थानों पर नलों में टोटी नहीं लगी है, वहां टोटी लगवाने की कार्रवाई सुनिश्चित करें।

फर्जी सिम कार्ड से धोखाधड़ी चार आरोपी हुए गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

जिले में फर्जी सिम कार्ड के माध्यम से चल रहे संगठित धोखाधड़ी के एक बड़े नेटवर्क का पुलिस ने खुलासा किया है। मामले में 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक अन्य आरोपी अभी फरार है जिसकी तलाश जारी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, 3 मई 2026 को रिसाली बस्ती निवासी 19 वर्षीय आयुष ताम्रकार ने थाना नेवई में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि उसके एक परिचित ने विश्वास में लेकर उसके नाम पर सिम कार्ड जारी कराया और उसे वापस नहीं किया। बाद में उस सिम का उपयोग अन्य लोगों को देकर अवैध आर्थिक लेन-देन में किया जाने लगा।

जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि मुख्य आरोपी टी. भार्गव राव ने प्रार्थी को मोबाइल दुकान ले जाकर उसके नाम से सिम जारी कराया और उसे अपने पास रख लिया। इसके बाद उस सिम को कमीशन के आधार पर अन्य आरोपियों को ऊंची कीमत पर बेच दिया गया। इस तरह सिम कार्ड का एक संगठित नेटवर्क बनाकर धोखाधड़ी को अंजाम दिया जा रहा था। पुलिस ने तकनीकी और भौतिक साक्ष्यों के आधार पर 4 आरोपियों—टी. भार्गव राव, ज्ञानेश मंडावी, हर्षित साहू और दीपक प्रजापति—को 4 मई 2026 को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त 3 मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। मामले में फैजान कुरैशी नामक आरोपी फरार है, जिसकी तलाश जारी है। पुलिस ने इस मामले में अपराध क्रमांक 277/2026 के तहत धारा 318(4) और 3(5) इठर के अंतर्गत अपराध दर्ज किया है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। आर्थिक लाभ के लिए कमीशन पर फर्जी सिम कार्ड उपलब्ध कराकर अवैध लेन-देन करना।

दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने नाम से जारी सिम कार्ड या दस्तावेज किसी अन्य व्यक्ति को उपयोग के लिए न दें। ऐसा करने पर व्यक्ति स्वयं कानूनी परेशानी में पड़ सकता है। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की गई है।

रोजगार दिवस : चावल महोत्सव व आवास दिवस के साथ योजनाओं का महाअभियान

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

फाइल फोटो

जिले की सभी ग्राम पंचायतों में आगामी 07 मई को ग्राम रोजगार दिवस का आयोजन किया जाएगा। राज्य स्तर से जारी निर्देशों के अनुसार प्रत्येक माह की 7 तारीख को चावल महोत्सव, रोजगार दिवस एवं आवास दिवस का संयुक्त आयोजन सुनिश्चित किया गया है। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने सभी ग्राम पंचायतों में व्यापक जनभागीदारी के साथ इन कार्यक्रमों को प्रभावी रूप से आयोजित करने के निर्देश दिए हैं।

इस अवसर पर विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित गतिविधियां आयोजित की जाएंगी, जिनका उद्देश्य ग्रामीण विकास को गति देना एवं आमजन को योजनाओं से सीधे जोड़ना है। सुशासन तिहार के अंतर्गत मनरेगा एवं प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) से जुड़े लंबित प्रकरणों के ग्राम पंचायत स्तर पर ही शत-प्रतिशत निराकरण के निर्देश दिए गए हैं। आवश्यकतानुसार प्रकरणों को विकासखंड एवं जिला स्तर तक ले जाकर समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बताया कि रोजगार सह आवास दिवस के दौरान आवास निर्माण की समयबद्ध पूर्णता हेतु काययोजना तैयार की जाएगी, जिसमें स्वीकृत आवासों को अधिकतम 90 दिनों के भीतर पूर्ण करने पर जोर रहेगा। हितग्राहियों को उनके खातों में हस्तांतरित राशि की जानकारी प्रदान कर पारदर्शिता सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को निर्माण सामग्री आपूर्ति एवं अन्य आजीविका गतिविधियों से जोड़ने, रेन वाटर हार्वेस्टिंग को बढ़ावा देने तथा लंबित जियो-टैगिंग कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। मनरेगा के प्रगतिरत कार्यों को माह मई में पूर्ण करने एवं मांग आधारित नए कार्य प्रारंभ करने पर भी बल दिया गया है। जल संरक्षण के लिए ह्लमोर गांव-मोर पानीह्व एवं ह्लनवा तरिया-आय के जरियाह्व अभियान के अंतर्गत काययोजना तैयार कर क्रियान्वयन किया जाएगा। साथ ही जनप्रतिनिधियों की अनिवार्य सहभागिता, आजीविका डबरी के माध्यम से आयवर्धन, नागरिक सूचना पटलों पर जानकारी का प्रदर्शन तथा क्यूआर कोड के माध्यम से योजनाओं का प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह में शामिल हुए स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग जिला मुख्यालय के सिविल लाइन स्थित विवेकानंद भवन में आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह कार्यक्रम में प्रदेश के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी कार्य मंत्री गजेन्द्र यादव शामिल हुए। इस अवसर पर गायत्री परिवार के आचार्यों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हो रहे विवाह संस्कार की उन्होंने सराहना की तथा सभी नवविवाहित जोड़ों से मिलकर उन्हें सुखमय वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएँ एवं आशीर्वाद प्रदान किया।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह योजना के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में 19 जोड़े एक ही मंडप में दाम्पत्य सूत्र में बंधे। आर्थिक रूप से कमजोर एवं गरीबी रेखा के नीचे जीवन-यापन करने वाले परिवारों ने इस योजना का लाभ उठाया। सामाजिक एवं धार्मिक परंपराओं के अनुरूप उल्लासपूर्ण वातावरण में यह वैवाहिक आयोजन संपन्न हुआ।

इस अवसर पर केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि शासन की यह महत्वाकांक्षी योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों के विवाह को सम्मानजनक एवं गरिमापूर्ण तरीके से संपन्न कराने की दिशा में एक सराहनीय पहल है। उन्होंने नवदम्पत्तियों को शुभाशीष देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं सुख-समृद्धि की कामना की। साथ ही शासन की ओर से प्रदत्त आवश्यक सामग्री एवं महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा वधुओं के नाम 35 हजार रुपये की आर्थिक सहायता भी प्रदान की गई, जिससे उनके नए जीवन की मजबूत शुरुआत सुनिश्चित हो सके।

मंत्री श्री यादव ने आगे कहा कि इस प्रकार के सामूहिक विवाह कार्यक्रम समाज में समानता, सहयोग और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करते हैं। इससे सामाजिक कुरीतियों में कमी आती है और जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक बोझ से राहत मिलती है। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों, आयोजकों एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों को सफल आयोजन के लिए बधाई दिये।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा नवविवाहित जोड़ों को आवश्यक उपहार सामग्री प्रदान की गई। इसमें हाथ घड़ी सेट, दुल्हन के लिए पायल, बिछिया एवं श्रृंगार सामग्री शामिल रही। साथ ही दुल्हनों के बैंक खातों में 35 हजार रुपये की राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से हस्तांतरित की गई, जिससे उनके वैवाहिक जीवन सम्मानजनक शुरुआत सुनिश्चित हो सके।

कार्यक्रम में सभापति श्याम शर्मा, पार्षद कांशीराम कोसरे, कमल देवांगन, मनीष कोठारी, सरस निर्मलकर, साजन जोसफ, अनिकेत यादव एवं श्रीमती सुमन वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

महापौर बाघमार ने किया सफाई व्यवस्था का निरीक्षण नालियों में जमा गंदगी और जल निकासी की समस्या

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग की महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने लोक कर्म प्रभारी देवनारायण चन्द्राकर, पार्षद श्रीमती नीलम शिवेंद्र परिहार, अरुण सिंह, शिवेंद्र परिहार,सहायक अभियंता राजेन्द्र ढबाले,स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता, उपअभियंता पंकज साहू सहित निगम अमले के साथ वार्ड क्रमांक 59 कातुलबोर्ड हरिनगर क्षेत्र में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान पार्षद श्रीमती नीलम शिवेंद्र परिहार द्वारा क्षेत्र में नालियों में जमा गंदगी एवं जल निकासी की समस्या की शिकायत पर महापौर तत्काल मौके पर पहुंचीं और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने नालियों में जमी गंदगी और अवरुद्ध जल निकासी को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को तुरंत समाधान करने के निर्देश दिए। महापौर ने स्पष्ट रूप से कहा कि जहां-जहां नालियां क्षतिग्रस्त (डेमेज) हैं, उनका शीघ्र और गुणवत्तापूर्ण रिपेयर किया जाए, ताकि पानी की सुचारु निकासी सुनिश्चित हो सके और नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि शहर की सफाई व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए नियमित रूप से मॉर्निंग निरीक्षण किया जाए और लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी।महापौर श्रीमती बाघमार ने वार्ड क्रमांक 59 हरिनगर के क्षेत्रवासियों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

उन्होंने कहा कि नगर निगम नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और हर समस्या का निराकरण प्राथमिकता के साथ किया जाएगा।

कृषि क्रांति अभियान : औषधीय व सुगंधित फसलों की वैज्ञानिक खेती और बाजार से जुड़ाव पर दिया जोर

कृषि क्रांति की ओर बढ़ता जशपुर : किसानों ने किया अध्ययन भ्रमण

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

जशपुर जिला प्रशासन द्वारा आत्मा योजना एवं कृषि क्रांति अभियान के तहत किसानों को आधुनिक और लाभकारी खेती की दिशा में प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी क्रम में चयनित किसानों को रायपुर स्थित सेमीना एग्रो कंपनी में अध्ययन भ्रमण के लिए भेजा गया।

इस भ्रमण का उद्देश्य किसानों को उच्च मूल्य वाली औषधीय एवं सुगंधित फसलों की वैज्ञानिक खेती से अवगत कराना और उन्हें कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग के माध्यम से सुनिश्चित बाजार उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम के दौरान कंपनी के विशेषज्ञों ने मोरिंगा, पपीता, लेमनग्रास, पिपरमिंट, पचौली, अश्वगंधा, तुलसी और रोसेला जैसी फसलों की उन्नत तकनीक, लागत-लाभ विश्लेषण और बाजार संभावनाओं पर विस्तार से जानकारी दी। साथ ही यह भी बताया गया कि इन फसलों की मांग राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेजी से बढ़ रही है।

उप संचालक कृषि जशपुर ने बताया कि किसानों को विशेष रूप से कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग मॉडल के बारे में समझाया गया, जिसमें कंपनियां पूर्व निर्धारित दर पर फसल की खरीद (बायबैक) करती हैं। इससे किसानों को बाजार के उतार-चढ़ाव से राहत मिलती है और उन्हें उनकी उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित होता है।

उन्होंने बताया कि इस पहल को आगामी खरीफ/मानसून सत्र 2026-27 की कार्ययोजना से जोड़ा गया है, जिसके तहत जिले में क्लस्टर आधारित खेती को बढ़ावा दिया जाएगा। लेमनग्रास, पाल्मारोसा, पचौली, यूकेलिप्टस सिट्रियोडोरा, हल्दी, अदरक, तुलसी, सतावर और सर्पगंधा जैसी फसलों को प्राथमिकता दी जाएगी।

विकासखंड स्तर पर इच्छुक किसानों का चयन कर उनकी सहमति से जानकारी संकलित की जा रही है, ताकि उन्हें प्रशिक्षण, फील्ड विजिट और कंपनियों के साथ अनुबंधित खेती से जोड़ा जा सके। इसके साथ ही किसान उत्पादक संगठनों के माध्यम से अनुबंध और मूल्य संवर्धन गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया जाएगा।

कृषि क्रांति अभियान के तहत यह पहल किसानों को पारंपरिक खेती से आगे बढ़ाकर व्यावसायिक और निर्यातोन्मुख कृषि की ओर प्रेरित कर रही है। इससे जिले में नवाचार को बढ़ावा मिलने के साथ किसानों की आय में स्थायी वृद्धि की संभावनाएं भी बढ़ रही हैं। प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि भविष्य में भी इस तरह के प्रशिक्षण और अध्ययन भ्रमण कार्यक्रम जारी रहेंगे, ताकि किसान आधुनिक तकनीकों और बाजार के अवसरों से जुड़कर आत्मनिर्भर बन सकें।

खास खबर

गौरेला क्षेत्र में सागौन की अवैध कटाई पर वन विभाग की बड़ी कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ के गौरेला वन परिक्षेत्र में सागौन के अवैध दोहन को रोकने के लिए वन विभाग ने अपना शिकंजा कस दिया है। विभाग के संयुक्त दल द्वारा की जा रही लगातार निगरानी के फलस्वरूप हाल ही में अवैध रूप से काटी गई सागौन की लगभग 500 बल्लियां (5 घन मीटर से अधिक) बरामद की गई हैं। जब्त लकड़ियों को सुरक्षित रूप से मड़ना सरकारी काष्ठागार (डिपो) में स्थानांतरित कर दिया गया है।

पण्डरीपानी परिसर (सामाजिक वानिकी परियोजना 2009-10), जो लगभग 103 हेक्टेयर में फैला है। चार ग्राम पंचायतों (कोरजा, गांगपुर, डाहीबहरा और पण्डरीपानी) से घिरे होने के कारण इस क्षेत्र पर अत्यधिक जैविक दबाव है। प्राथमिक जांच के अनुसार, स्थानीय ग्रामीणों द्वारा गृह निर्माण, कृषि कार्यों और अन्य व्यक्तिगत उपयोग के लिए अवैध कटाई की जा रही थी।

वनमण्डलाधिकारी मरवाही और उप वनमण्डलाधिकारी गौरेला के नेतृत्व में उड़नदस्ता दल और विभागीय कर्मचारी क्षेत्र का सघन सर्वेक्षण कर रहे हैं। वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि सर्वेक्षण पूर्ण होते ही दोषियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाईकी जाएगी। साथ ही, वन भूमि पर किए गए पुराने अतिक्रमणों को हटाने का अभियान भी तेज कर दिया गया है।

रेत के अवैध परिवहन पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, 6 हाइवा और तीन ट्रैक्टर जब्त

रायपुर। प्रदेश में रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर रोक लगाने के लिए प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में राजस्व, पुलिस और खनिज विभाग की संयुक्त टीम ने जांजगीर-चांपा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान बम्हनीडीह क्षेत्र में अवैध रेत परिवहन करते पाए जाने पर 2 हाइवा वाहनों को जब्त कर थाना बम्हनीडीह के सुपुर्द किया गया। वहीं जांजगीर क्षेत्र में 3 ट्रैक्टर जब्त कर खनिज विभाग को आगे की कार्रवाई के लिए सौंपा गया।

इसके अलावा देवरहा, पीथमपुर, हाथनेवरा, गढ़ापाली, केवा नवापारा और जांजगीर मुख्य मार्ग पर जांच के दौरान 4 और हाइवा अवैध रेत परिवहन करते पाए गए, जिन्हें जब्त कर पुलिस लाइन खोखरा में सुरक्षित रखा गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध परिवहन में संलिप्त लोगों के खिलाफ खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 21 से 23(ख) के तहत सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

राष्ट्रीय राजमार्ग के कार्यपालन अभियंता को मरम्मत होने तक मुख्यालय स्थापित करने के दिए निर्देश

सुशासन तिहार : मुख्यमंत्री साय के निर्देश के बाद पत्थलगांव- कुनकुरी सड़क मरम्मत में आई तेजी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सख्त निर्देश के बाद पत्थलगांव से कुनकुरी के बीच अपूर्ण सड़क भाग के मरम्मत कार्य में अब आई तेजी। विगत दिवस बलरामपुर में आयोजित सरगुजा संभाग के निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस सड़क की खराब स्थिति और मरम्मत में हो रही देरी पर नाराजगी जताई थी।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा था कि अपूर्ण सड़क के कारण आमजन को आवागमन में भारी परेशानी हो रही है और आगामी वर्षा ऋतु को देखते हुए इस मार्ग का शीघ्र सुधार अत्यंत आवश्यक है। इसके बाद विभागीय स्तर पर त्वरित कार्वाई शुरू करते हुए मरम्मत कार्य को प्राथमिकता में रखा गया है।

शासन के प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी पत्र अनुसार पत्थलगांव-कुनकुरी मार्ग के अपूर्ण भाग के मरम्मत हेतु पूर्व में प्रस्तुत प्रस्ताव को स्वीकृति देते हुए कार्य तत्काल प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए हैं। मरम्मत कार्य को जोनल एजेंसी के माध्यम से शीघ्र शुरू किया जाएगा। यदि जोनल एजेंसी उपलब्ध नहीं होती है, तो संबंधित संभागों के प्रचलित अनुबंध के अंतर्गत भी कार्य संपादित किया जा सकेगा।

इसके साथ ही लोक निर्माण विभाग राष्ट्रीय राजमार्ग के कार्यपालन अभियंता अंबिकापुर को निर्देशित किया गया है कि वे मरम्मत कार्य पूर्ण होने तक अपना मुख्यालय कुनकुरी में स्थापित करें, ताकि कार्यों की सतत निगरानी और त्वरित क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। बिना अनुमति मुख्यालय नहीं छोड़ने के निर्देश भी दिए गए हैं, जिससे कार्य में किसी प्रकार की ढिलाई न हो। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस कार्य को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए स्पष्ट किया है कि सड़क मरम्मत में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। इस पहल से न केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि बरसात के दौरान संभावित बाधाओं से भी राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री के निर्देशों के बाद तेज हुई यह कार्रवाई क्षेत्र के लोगों के लिए बड़ी राहत साबित होगी और लंबे समय से लंबित इस सड़क सुधार कार्य को अब गति मिल रही है।

भीषण गर्मी में राहत : नलकूप खनन से दूर हुई पेयजल समस्या

प्रदेश में बढ़ती भीषण गर्मी के बीच आमजन को राहत देने के लिए प्रशासन द्वारा त्वरित कदम उठाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर जशपुर जिले के दुलदुला विकासखंड अंतर्गत ग्राम सपघरा के सुखबासुपारा में नलकूप खनन कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है।

उल्लेखनीय है कि क्षेत्र के ग्रामीणों ने सीएम कैंप कार्यालय बगिया में आवेदन देकर पेयजल समस्या के समाधान की मांग की थी। इस पर तत्काल कार्रवाई करते हुए प्रशासन ने नलकूप खनन कराया, जिससे अब ग्रामीणों को बड़ी राहत मिल गई है। नलकूप शुरू होने के साथ ही गांव में खुशी का माहौल है। अब लोगों को पानी के लिए दूर-दराज नहीं जाना पड़ेगा। ग्रामीणों ने इस त्वरित पहल के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं प्रशासन का आभार जताते हुए इसे भीषण गर्मी के बीच बड़ी सौगात बताया है।

जनभागीदारी से स्वच्छता श्रमदान और जल संरक्षण को मिला बढ़ावा

प्रदेशभर में स्वच्छता और जल संरक्षण को लेकर जनभागीदारी आधारित कार्यक्रमों की शुरुआत हुई। इसी कड़ी में जशपुर जिले के ग्राम पंचायत खूंटीटोली में सामूहिक श्रमदान कर स्वच्छता और जल संवर्धन का सशक्त संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने मिलकर गांव के विभिन्न स्थानों पर साफ-सफाई अभियान चलाया और स्वच्छता को जीवनशैली का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। श्रमदान के माध्यम से लोगों ने यह संदेश दिया कि सामूहिक प्रयास से ही स्वच्छ और स्वस्थ समाज का निर्माण संभव है। इस अवसर पर जल संचय जनभागीदारी 2 .0 अभियान के तहत 5 प्रतिशत मॉडल का निर्माण भी किया गया, जो ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण की दिशा में एक प्रभावी पहल के रूप में उभर रहा है। इस मॉडल के तहत किसान अपने खेत के लगभग 5 प्रतिशत हिस्से में सीढ़ीनुमा गड्ढा बनाकर वर्षा जल का संचयन करते हैं, जिससे भूजल स्तर में वृद्धि होती है और सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित होती है।

युवाओं के लिए नवाचार की अपार संभावना, नवाचार से करें क्षेत्र का विकास : वित्त मंत्री चौधरी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में आयोजित 'इनोवेशन महाकुंभ 1.0' को संबोधित करते हुए कहा कि बस्तर क्षेत्र के समग्र विकास के लिए केंद्र और राज्य सरकार लगातार प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने बजट में बस्तर के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण प्रावधान किए हैं, जिससे युवाओं के लिए नए अवसर सृजित होंगे।

वित्त मंत्री ने कहा कि देश की चार ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की दिशा में बढ़ते भारत में बस्तर के युवाओं के लिए अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने बस्तर के युवाओं को वन उत्पाद, पर्यटन, कला-संस्कृति और कृषि से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों में नवाचार के साथ कार्य कर क्षेत्र के विकास में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बस्तर के युवा आर्थिक रूप से सशक्त बनकर समाज निर्माण में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

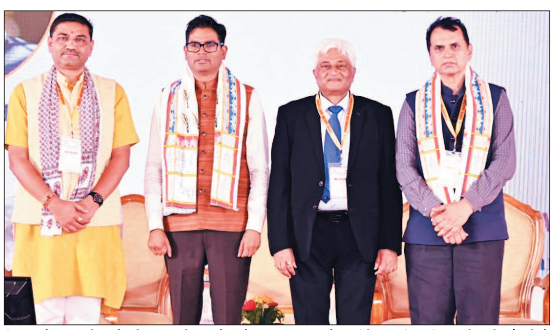

उन्होंने कहा कि बस्तर आज नई आशा और नई दिशा के साथ आगे बढ़ रहा है। कार्यक्रम में पूना मारगेम से जुड़े साथियों की भागीदारी का स्वागत करते हुए बस्तर के विकास में सहभागी बनने की बात कही। अपने संबोधन में उन्होंने कई प्रेरणादायक उदाहरण साझा किए, जिनमें लोगों ने विपरीत परिस्थितियों से निकलकर नवाचार के माध्यम से आर्थिक प्रगति हासिल की। श्री चौधरी ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्होंने स्वयं नौकरी छोड़कर कृषि व्यवसाय अपनाया और आत्मनिर्भरता हासिल की। उन्होंने युवाओं को लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर प्रयास करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि ह्लमाँ सरस्वती के उपासक बनेंगे तो माँ लक्ष्मी स्वयं साथ आएंगीह्व, आज का युग ज्ञान आधारित है, इसलिए युवाओं को अपनी क्षमता और कौशल का निरंतर विकास करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थान केवल डिग्री ही नहीं, बल्कि अनुशासन भी सिखाते हैं। अनुशासन के साथ ईमानदारी से प्रयास कर ही बेहतर भविष्य का निर्माण संभव है। साथ ही उन्होंने युवाओं को उद्यमिता (इंटरप्रेन्योरशिप) में जोखिम लेने की क्षमता विकसित करने पर जोर दिया। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने बस्तर की पूर्व परिस्थितियों और दंतेवाड़ा जिले में कलेक्टर के रूप में अपने कार्यकाल के अनुभवों का भी उल्लेख किया, जिससे उपस्थित युवाओं को प्रेरणा मिली। विश्व विद्यालय द्वारा बस्तर के युवाओं हेतु नवाचार के लिए आयोजित इस कार्यक्रम की भी उन्होंने सराहना की। कार्यक्रम में शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो मनोज कुमार श्रीवास्तव सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

श्रमिक के बिना कोई कार्य सफल नहीं : सांसद चिंतामणि, जनप्रतिनिधियों ने हितग्राहियों को बांटे चेक

जिला स्तरीय श्रमिक सम्मेलन का आयोजन, शासन की योजनाओं से श्रमिकों को सशक्त बनाने का लिया संकल्प

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सरगुजा जिले के श्रमिकों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने और उनके पंजीयन की प्रक्रिया को गति देने के उद्देश्य से अंबिकापुर के पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में जिला स्तरीय श्रमिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने श्रमिकों के उत्थान के लिए संचालित योजनाओं की विस्तृत जानकारी साझा की।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित लोकसभा सांसद चिंतामणि महाराज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, आज समाज का कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं है जो श्रमिकों के बिना सफल हो सके। श्रमिकों के परिश्रम से ही राष्ट्र का निर्माण होता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करें ताकि अंतिम पंक्ति के श्रमिक का भी पंजीयन सुनिश्चित हो सके।

श्रम का सम्मान और आत्मनिर्भरता

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज ने कहा कि हर व्यक्ति किसी न किसी रूप में श्रमिक है और परिश्रम ही परिवार के भरण-पोषण का आधार है। उन्होंने श्रमिक पंजीयन कर योजनाओं का लाभ लेने उपस्थित श्रमिक जनों को प्रोत्साहित किया। वहीं, छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर ने विकासखंड से आए श्रमिकों से कहा कि शासन आपके हितों के लिए जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है जिससे हर वर्ग के व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ मिले। आप सभी श्रम विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी लेकर

योजना का लाभ ले। नगर निगम अंबिकापुर महापौर श्रीमती मंजूषा भगत ने कहा कि शासन द्वारा नारी शक्ति के सम्मान के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही है। महिलाएं आत्मनिर्भर बने शासन की मंशा है। उन्होंने श्रम विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ लेने के लिए श्रमिकों को प्रेरित किया।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों को जनप्रतिनिधियों द्वारा चेक वितरण कर सम्मानित किया गया। जब उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने स्वयं अपने हाथों से श्रमिकों को भोजन परोसा। इस दौरान श्रमिकों ने अनुशासन का परिचय देते हुए कतारबद्ध होकर अपनी- अपनी बारी में शांतिपूर्वक भोजन लिया।

पंजीयन ही योजनाओं का द्वार : श्रम पदाधिकारी नीतेश विश्वकर्मा

सम्मेलन को संबोधित करते हुए श्रम पदाधिकारी नीतेश विश्वकर्मा ने बताया कि छत्तीसगढ़ कमर्गार राज्य समाजिक सुरक्षा मंडल एवं छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कमर्कार कल्याण मंडल द्वारा कई महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना,मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा प्रोत्साहन योजना,मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने कार्यक्रम में शामिल श्रमिकों को जोर देते हुए कहा कि इन हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ उठाने के लिए श्रमिक पंजीयन कराएं और योजनाओं का लाभ लें। सम्मेलन में पार्षद श्री आलोक दुबे एवं दीपक यादव एवं जनप्रतिनिधियों सहित जिले के विभिन्न विकासखंडों से आए बड़ी संख्या में श्रमिक, श्रम विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

संपादकीय

भारत उदय के कथानक को फिर झटका

प्रगति का एकमात्र सार्थक पैमाना लोगों के जीवन स्तर में सुधार है। साफ हवा, पानी, पर्याप्त भोजन, वस्त्र, आवास, शिक्षा और चिकित्सा मुहैया कराने के लिहाज से अर्थव्यवस्था का आकार महत्त्वपूर्ण है, लेकिन यह निर्णायक पहलू नहीं है।

सकल घरेलू उत्पाद के लिहाज से भारत उदय के कथानक को फिर झटका लगा है। चौथे स्थान पर पहुंचने के बाद भारत अब फिसल कर छठे नंबर पर जा गिरा है। जब भारत ने जीडीपी मापने की नई श्रृंखला अपनाई, तो उसके तहत हुई गणना में वह जापान से पिछड़ कर पांचवें नंबर पर दर्ज हुआ। अब अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के 2025 के आंकड़ों के मुताबिक वह ब्रिटेन से भी नीचे हो गया है। ऐसा रुपये की कीमत में भारी गिरावट के कारण हुआ है। जीडीपी का आकलन देशों की अपनी मुद्रा में होता है। फिर तत्कालीन विनिमय दर के आधार पर अमेरिकी डॉलर में उसका मूल्य आंका जाता है।

2024 के अंत में एक डॉलर की कीमत 84.6 रुपये थी, जो 2025 के अंत में 88.5 रुपये हो गई। इस तरह डॉलर में भारत के जीडीपी का मूल्य घट गया। ताजा आंकड़ों के मुताबिक 2025 के अंत में भारत की जीडीपी 3.92 ट्रिलियन डॉलर थी, जबकि ब्रिटेन की चार ट्रिलियन और जापान की 4.44 ट्रिलियन डॉलर थी। तीसरे नंबर स्थित जर्मनी की अर्थव्यवस्था 4.7 ट्रिलियन रही, जबकि 19.6 ट्रिलियन के साथ चीन दूसरे और 30.8 ट्रिलियन डॉलर के साथ अमेरिका पहले नंबर पर रहा। डॉलर की आज की कीमत पर गणना की जाए, तो भारत के जीडीपी का मूल्य संभवतः और भी कम होगा। यानी पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने और तीसरे नंबर पर पहुंचने की दौड़ फिलहाल उलटी दिशा में मुड़ गई है।

बहरहाल, ये दौड़ बेमतलब है। ऐसे आंकड़ों के आधार पर बनाए गए कथानक असल में अर्थव्यवस्था की मूलभूत कमियों पर परदा डालने के लिए तैयार किए गए हैं। आर्थिक प्रगति का एकमात्र सार्थक पैमाना लोगों के जीवन स्तर में सुधार ही हो सकता है। लोगों को साफ हवा, पानी, पर्याप्त भोजन, वस्त्र, आवास, शिक्षा और चिकित्सा मुहैया कराने के लिहाज से अर्थव्यवस्था का आकार महत्त्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन यह निर्णायक पहलू नहीं है। असल में प्रति व्यक्ति जीडीपी का पैमाना भी नाकाफी है, क्योंकि इस औसत में आर्थिक विषमता की वास्तविक स्थिति की झलक नहीं मिलती। वैसे इस कसौटी पर भारत दुनिया 140वें नंबर पर है।

पर्यावरण संरक्षण राष्ट्रीय सुरक्षा का अभिन्न हिस्सा बने

पंकज चतुर्वेदी

भारत में बढ़ती गर्मी और जलवायु परिवर्तन एक गहरी पारिस्थितिकीय समस्या को उजागर करते हैं, जो मानव-निर्मित हैं। विकास योजनाओं और पर्यावरणीय लापरवाही ने प्राकृतिक संतुलन को बिगाड़ दिया है।

भारत में मौसम का बदलता मिजाज और वैशाख के महीने में जेठ जैसी तपिश का अहसास होना अब केवल एक प्राकृतिक घटना नहीं, बल्कि एक गहरे पारिस्थितिक संकट की चेतावनी है। अक्सर भीषण गर्मी और लू के लिए अल नीनो या वैश्विक जलवायु परिवर्तन को दोष देकर हम अपनी जिम्मेदारी से बचते रहे हैं, लेकिन वास्तविकता यह है कि यह संकट काफी हद तक मानव-निर्मित है। आज हम जिस भीषण गर्मी का सामना कर रहे हैं, वह वैश्विक वायुमंडलीय बदलावों और स्थानीय स्तर पर पर्यावरण के प्रति बरती गई नीतिगत लापरवाही का एक मिला-जुला परिणाम है। जब हम अपनी विकास योजनाओं के नाम पर हजारों हेक्टेयर प्राथमिक जंगलों, पहाड़ियों और जल निकायों को नष्ट करते हैं, तो हम अनजाने में उन प्राकृतिक कूलिंग एजेंटों को खत्म कर देते हैं जो इस तपिश के खिलाफ हमारी एकमात्र सुरक्षा थे। बुंदेलखंड जैसे क्षेत्रों में, जहां तापमान अब नियमित रूप से 48 डिग्री सेल्सियस के स्तर को छूने लगा है, यह स्पष्ट है कि हमारी विकास की भूख ने धरती के प्राकृतिक थर्मोस्टेट को बिगाड़ दिया है।

इस मानव-निर्मित गर्मी की सबसे प्रत्यक्ष और क्रूर मार उन मजदूरों और सड़क किनारे काम करने वाले श्रमिकों पर पड़ती है जो इस ढांचे का निर्माण कर रहे हैं। भारत के करोड़ों निर्माण श्रमिक, रेहड़ी-पटरी वाले और गिग-इकोनॉमी के कमर्चारी इस गर्मी को केवल एक आंकड़े के रूप में नहीं, बल्कि एक शारीरिक हमले के रूप में महसूस करते हैं। आंकड़ों के अनुसार, गर्मी के कारण भारत को 2030 तक अपने कुल कामकाजी घंटों का 5.8 प्रतिशत हिस्सा खोना पड़ सकता है, जो लगभग 3.4 करोड़ पूर्णकालिक नौकरियों के बराबर है। बांदा जैसे शहरों में, कंक्रीट और कोलतार की सड़कें गर्मी को सोखकर रात में भी उसे वापस छोड़ती हैं, जिससे अर्बन हीट आइलैंड प्रभाव पैदा होता है और स्थानीय तापमान ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में 5 डिग्री सेल्सियस से 7 डिग्री सेल्सियस तक अधिक बना रहता है। नीतिगत स्तर पर मजदूरों के लिए छाया का अधिकार या लू के दौरान काम के घंटों में बदलाव जैसे नियम केवल कागजों तक सीमित हैं, जो हमारे विकास के उस अंधेपन को दर्शाते हैं जहां श्रम को एक जैविक इकाई के बजाय केवल एक मशीन समझा जाता है।

गर्मी का यह घातक रूप हमारी खेती और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ रहा है। थर्मल शॉक के कारण गेहूं जैसी प्रमुख फसलों के दाने दूध भरने की अवस्था में ही सूख रहे हैं, जिससे पैदावार में 15 प्रतिशत से 25 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की जा रही है। मिट्टी की नमी खत्म होने से उपजाऊ जमीन अब मरुस्थल में बदल रही है, फिर भी हमारी नीतियां सूखे क्षेत्रों में अधिक पानी चाहने वाली फसलों को बढ़ावा दे रही हैं। इसी तरह, जंगलों के विखंडन और अवैध खनन ने वन्यजीवों के लिए भोजन का संकट पैदा कर दिया है। छतरपुर और पन्ना टाइगर रिजर्व के आसपास के इलाकों में, खनन के कारण प्राकृतिक जल स्रोत सूख चुके हैं, जिसके परिणामस्वरूप जंगली जानवरों का बस्तियों की ओर आना 40 प्रतिशत तक बढ़ गया है। यह केवल मानव-पशु संघर्ष नहीं है, बल्कि उस पारिस्थितिक सुरक्षा चक्र का टूटना है जो इंसानों और जानवरों को एक साथ सुरक्षित रखता था।

वर्तमान हीट एक्शन प्लान (एचएपी) की सबसे बड़ी विफलता यह है कि वे केवल शहरों में मौतों को रोकने पर केंद्रित हैं, जबकि जमीन, जल और मिट्टी के गिरते स्वास्थ्य की अनदेखी करते हैं। अब समय आ गया है कि नीतिगत स्तर पर 'वन हेल्थ' के दृष्टिकोण को अपनाया जाए, जहां मिट्टी की नमी, पशुधन का स्वास्थ्य और वन्यजीवों का संरक्षण एक ही इकाई के रूप में देखा जाए। हमें केवल पौधारोपण की रस्म अदायगी से ऊपर उठकर बुंदेलखंड के चंदेलकालीन तालाबों जैसे पारंपरिक जल-प्रबंधन तंत्र को पुनर्जीवित करना होगा। ये तालाब केवल पानी का स्रोत नहीं थे, बल्कि वे स्थानीय पारिस्थितिकी को ठंडा रखने के विकेंद्रीकृत साधन थे। नीति-निर्माताओं को यह समझना होगा कि राजमार्गों के लिए काटे गए पेड़ केवल लकड़ी नहीं थे, बल्कि वे उस सूक्ष्म-जलवायु का हिस्सा थे जो फसलों को झुलसने से बचाती थी।

हमें विकास की अपनी परिभाषा को बदलना होगा। बुंदेलखंड में पत्थर खनन के लिए काटी गई हर पहाड़ी और उत्तराखंड में कंक्रीट के विस्तार के लिए नष्ट की गई हरियाली हमारे भविष्य की ठंडी हवाओं को रोक रही है। आर्थिक लाभ की तुलना में गर्मी के कारण होने वाला स्वास्थ्य और कृषि का नुकसान कहीं अधिक है। भविष्य की नीतियों की सफलता अब इस जवाबदेही पर टिकी है कि हम बुनियादी ढांचे के निर्माण में 'ग्रीन इंजीनियरिंग' को कितनी प्राथमिकता देते हैं और पर्यावरण नियमों की अनदेखी को कब बंद करते हैं। हमें यह स्वीकार करना होगा कि पर्यावरण का संरक्षण अब केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा का अभिन्न हिस्सा है। तभी हम इस मानव-निर्मित भट्टी से बाहर निकल पाएंगे और आने वाली पीढ़ियों को एक ऐसी धरती दे पाएंगे जो केवल झुलसती नहीं, बल्कि जीवन भी प्रदान करती है।

छत्तीसगढ़ की सबसे ठंडी और खूबसूरत वादियों में छुट्टियां बिताने का आदर्श गंतव्य

प्रकृति, शांति और तिब्बती संस्कृति का अद्भुत संगम है - मैनपाट

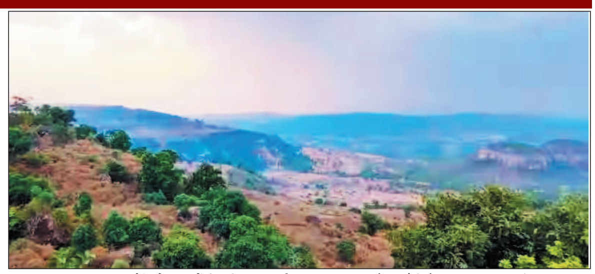

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ की सबसे ठंडी और खूबसूरत वादियों में छुट्टियां बिताने का आदर्श गंतव्य छत्तीसगढ़ का मैनपाट प्राकृतिक सौंदर्य, सुखद जलवायु और सांस्कृतिक विविधता का एक ऐसा अनूठा संगम है, जो इसे वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर विशिष्ट पहचान दिलाता है। यदि आप चिलचिलाती गर्मी से राहत और प्रकृति की गोद में सुकून की तलाश में हैं, तो मैनपाट आपके लिए एक श्रेष्ठ गंतव्य साबित होगा।

छत्तीसगढ़ का शिमला और मिनी तिब्बत

राज्य के उत्तरी हिस्से में स्थित इस खूबसूरत पहाड़ी पर्यटन स्थल को छत्तीसगढ़ का शिमला और मिनी तिब्बत के नाम से जाना जाता है। समुद्र तल से लगभग 1085 मीटर (3500 फीट) की ऊंचाई पर स्थित यह पठार अपनी ठंडी जलवायु, घने जंगलों, मनमोहक जलप्रपातों और तिब्बती संस्कृति के लिए पर्यटकों के बीच विशेष रूप से लोकप्रिय है।

दर्शनीय स्थल और रोमांच

मैनपाट के प्रमुख आकषर्णों में टाइगर पॉइंट और फिश पॉइंट शानदार जलप्रपात और पिकनिक स्पॉट शामिल है। इसी प्रकार जलजली एक अद्भुत दलदली जमीन जहाँ पैर पटकने पर धरती उछलती महसूस होती है। उल्टा पानी- यहाँ गुरुत्वाकर्षण के विपरीत पानी ऊपर की ओर बहता दिखाई देता है। परपाटिया व्यू पॉइंट यहाँ से पहाड़ों का विहंगम दृश्य दिखाई देता है।

सांस्कृतिक पहचान- तिब्बती बस्तियां

वर्ष 1962 में यहाँ तिब्बती शरणार्थियों को बसाया गया था, जिसके बाद से यह क्षेत्र बौद्ध धर्म और तिब्बती हस्तशिल्प का केंद्र बन गया। यहाँ के बौद्ध मठ, रंग-बिरंगे प्रार्थना ध्वज और स्थानीय तिब्बती व्यंजन जैसे मोमोज और थुकपा पर्यटकों को एक अलग ही दुनिया का अनुभव कराते हैं।

पर्यटन विकास की ओर सरकार के कदम

छत्तीसगढ़ सरकार मैनपाट को अंतर्राष्ट्रीय स्तर के पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित कर रही है। बुनियादी ढांचों के उन्नयन के साथ-साथ प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला मैनपाट कार्निवल इसकी लोकप्रियता में चार चांद लगा रहा है। हवाई कनेक्टिविटी के विस्तार से आने वाले समय में यहाँ पर्यटकों की संख्या में और अधिक वृद्धि की संभावना है।

कैसे पहुँचें?

सड़क मार्ग राजधानी रायपुर से मैनपाट की दूरी लगभग 350 किलोमीटर है। रायपुर से अंबिकापुर तक बस या ट्रेन से यात्रा की जा सकती है, जहाँ से मैनपाट मात्र 55 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

हवाई सुविधा- हवाई संपर्क अब और भी सुगम हो गया है। अंबिकापुर स्थित माँ महामाया एयरपोर्ट (दरिमा) से दिल्ली और कोलकाता जैसी प्रमुख शहरों के लिए उड़ानें प्रारंभ हो चुकी हैं, जिससे पर्यटकों के समय की काफी बचत होगी।

आवास और सुविधाएं

पर्यटकों की सुविधा के लिए छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल द्वारा संचालित सैला टूरिस्ट रिसॉर्ट और कर्मा एथनिक रिसॉर्ट प्रमुख आकर्षण हैं। यहाँ पारंपरिक जीवनशैली और आधुनिक सुविधाओं का मेल मिलता है। इसके अतिरिक्त, निजी होटल और होमस्टे के विकल्प भी उपलब्ध हैं। छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से इन रिसॉर्ट्स में ऑनलाइन बुकिंग की जा सकती है।

गोल्फ में भी हरफनमौला बन गए कपिल देव

प्रदीप

कपिल जैसे इंसान के लिए, जिसने गोल्फ को उम्र के बाद वाले पड़ाव में खेलना शुरू किया हो, गोल्फ में हासिल उपलब्धि अविश्वसनीय है। उन्होंने साबित किया कि प्रतिभा किसी भी सीमा में नहीं बंधती।

उन्माद से भरी भीड़ और इंडियन प्रीमियर लीग क्रिकेट के बहरा कर देने वाले कर्कश शोर से दूर, एक गोल्फ कोर्स की अपनी एक अलग ही लय होती है। शांत, ठहरी हुई ऐसी सुरम्य जगह, जो आत्म-मंथन करने को भी मुफीद है। यह ध्यान एकाग्रता की वह जगह है, जो शारीरिक कौशल और सधे मन की परीक्षा लेती है। यहां का ऊंचा-नीचा इलाका, तालाब, पेड़, सपाट मैदान और रेशमी हरी दूब न सिर्फ.देखने में सुंदर होती है बल्कि ये खेल और खुद पर महारत हासिल करने में भी मददगार हैं। कोई हैरानी नहीं कि कपिल देव को क्रिकेट जगत से संन्यास लेने के बाद-यही वह दुनिया है जिसने उन्हें अपने सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक का ताज पहनाया-गोल्फ में कहीं ज़्यादा सौम्य स्वागत करने वाला सान्निध्य मिला।

कपिल ने 15 सालों तक क्रिकेट के मैदान को अपने कौशल, ऊर्जा और जुनून से रोशन किए रखा, जो भारत के खेल इतिहास में अविस्मरणीय था। उन्होंने अपनी हरफनमौला प्रतिभा का प्रदर्शन जोशीले और चाहने वाले प्रशंसकों के सामने किया। शोरभरी तारीफों के माहौल में वे सार्वजनिक जगहों पर शांत एवं निजी लम्हों के अहसास को तरस चुके थे। वर्ष 1994 में जब उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा तो वे शांति की तलाश में थे, एक ऐसी जगह जहां सुकून हो और भीड़ के घेराव से मुक्त।

67 साल की उम्र में शायद कपिल में अपने जवानी जैसा जोश और फुर्ती भले ही न हो, लेकिन काम और गोल्फ के प्रति उनका पुराना जुनून और ऊर्जा रत्तीभर भी कम नहीं हुई है। सिर पर बीचों-बीच बंटे सफेद-काले बालों का स्टाइल उनकी करिश्माई शख्सियत को और गरिमापूर्ण अंदाज देता है। समय की रवानगी उनके चेहरे पर बन गई सिलवटों और नपे-तुले, नरम किंतु दृढ़ता से बोले गए उनके शब्दों में साफ झलकती है, उम्र के साथ परिपक्व हुआ एक व्यक्तित्व।

विरोधाभास यह कि खेल के परंपरागत तरीकों में न बंधने वाले वाले इस जुझारू और आक्रामक क्रिकेटर की परवरिश एक ऐसे शहर में हुई, जिसकी परिकल्पना, डिजाइन और निर्माण ज्यामितीय सटीकता से बंधी हुई है। चंडीगढ़, आजाद भारत का एक ऐसा शहर जिसकी पहचान सीधी रेखाओं और कड़ाई से पालना किए जाने वाले डिजाइन से है—एक ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी को संवार रहा था, जिसने क्रिकेट की कोचिंग पुस्तकों में दिए पारंपरिक नियमों की जरा भी परवाह नहीं की। तब भी उन्होंने अपना एक अनोखा रास्ता खुद ही बनाया था, और आज भी वह वैसा ही कर रहे हैं।

अपने विशाल दो-मंज़िला दफ़्तर के एक कक्ष में बैठे हुए—जो गोल्फ की भाषा में दिल्ली के मशहूर इंडिया गेट से महज एक टी-शॉट (लगभग 300 मीटर) की दूरी पर है—कपिल अपनी उस अग्रगामी सोच पर कायम हैं, जो परी-कथा जैसे उनके शानदार सफर को लगातार आगे बढ़ाने में मार्गदर्शक रही। इस कमरे में चारों ओर देखिए, आपको क्रिकेट से जुड़ी एक भी तस्वीर या यादगार चीज नहीं मिलेगी। क्रिकेट अब उनकी ज़िंदगी में महज एक छोटा-सा बिंदु बनकर रह गया है; ग्रेटर नोएडा स्थित 300 बिस्तरों वाले सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल का गौरवशाली मालिक होने के अलावा और गोल्फ आज उनकी पूंजी है, उनका अधिकांश समय इनमें व्यतीत होता है। उन्हीं के शब्दों में—मैं ऐसा ही हूं। चाहे यह कंचे खेलना रहा हो, पतंगबाजी या क्रिकेट, एक बार जब मैं किसी चीज से दूर हो जाता हूं, तो मैं फिर से उसकी ओर लौटना पसंद नहीं करता।

भारत का प्रतिनिधित्व करते समय, उन्होंने कभी गोल्फ खेलने के बारे में सोचा तक नहीं था—यहां तक कि तब भी नहीं, जब वे दिल्ली के एक गोल्फ कोर्स में महान गैरी सोबर्स के साथ गए थे। संन्यास के बाद, एक दोस्त ने उन्हें सुझाया कि प्रशंसकों की दखल देती नजरों से दूर रहने के लिए गोल्फ कोर्स सबसे मुफीद रहेगा। पर पहले ही दिन, दिल्ली गोल्फ क्लब के पहले ही होल पर ही, सैकड़ों लोग आन जुटे। उनसे कहा गया कि वे फिक्र न करें। जैसे-जैसे वे आगे बढ़े, किसी ने पीछा नहीं किया, किसी ने उन्हें घेरा नहीं। उन्हें अपनी ज़िंदगी का अगला मुकाम मिल गया था। एक साल के भीतर ही, उनका हैंडिकैप आठ हो गया था—क्रिकेट की भाषा में इसका मतलब यह होगा कि रणजी ट्रॉफी खेलने लायक महारत पा लेना।

उन्हें इस खेल से प्यार हो गया था। ध्यान लगाने जैसे वातावरण में, गोल्फ मानो समय को आत्मसात कर लेता है, उसे थाम लेता है। यह जीवनपर्यंत जारी रहने वाली लत बन सकता है, खेल जीवन का ही एक रूपक बन जाता है—चंचल, नाजुक, फिर भी संतुष्टि के ऐसे पलों से परिपूर्ण, जो आपको इससे जोड़े रखते हैं। तीन साल के अंदर ही, उनका हैंडिकैप घटकर दो पर आ गया था; इसका मतलब था कि उनकी योग्यता एक पेशेवर गोल्फर बनने के लिए काफी है। क्रिकेट की भाषा में कहें तो, भारत की राष्ट्रीय टीम में होने या आईपीएल का एक स्टार खिलाड़ी बनने जितना खेल कौशल पा लेना। एक ऐसे इंसान के लिए जिसने गोल्फ को उम्र के बाद वाले पड़ाव में खेलना शुरू किया हो, यह एक अविश्वसनीय उपलब्धि थी। उन्होंने एक बार फिर से साबित किया कि प्रतिभा किसी भी सीमा में नहीं बंधती।

एक ऐसी दुनिया में जहां खेल का प्रदर्शन शारीरिक रूप से श्रम साध्य और तैयारी मन को साधने से बनता है, कपिल ने अपनी गोल्फ स्विंग्स के साथ लगभग पवित्र रिश्ता बना लिया है। उन्होंने पाया कि क्रिकेट के विपरीत—जो कि एक टीम नीत खेल है—गोल्फ असल में खुद से ही लड़ी जाने वाली एकल लड़ाई है। जैसा कि वे खुद कहते हैं—गेंद कितनी भी अच्छी क्यों न हो, बल्लेबाज आउट अपनी किसी न किसी गलती से ही होता है। जबकि गोल्फ में आपको खुद से और कोर्स (मैदान) की चुनौतियों से निपटना होता है।

उनके करिश्मे, लोकप्रियता और गोल्फ के प्रति उनके गहरे प्रेम ने उन्हें प्रोफेशनल गोल्फ इंडियन टूअर के बोर्ड की लगभग सर्वसम्मत पसंद बना दिया, और उन्हें इस संस्था के प्रबंधन मंडल का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। अध्यक्ष के तौर पर अपने एक साल से कुछ ही अधिक कार्यकाल में ही, वे और ज्यादा प्रायोजकों को प्रतियोगिता से जोड़ने में सफल रहे हैं। इससे प्रतियोगिता को विस्तार करने में मदद मिली है और सालाना दी जाने वाली पुरस्कार राशि में भी भारी बढ़ोतरी हुई है, विगत का 20-25 करोड़ रुपये इनाम बढ़कर 35 करोड़ रुपये से भी ज़्यादा हो गया है। इस पुरस्कार राशि को और बढ़ाने की योजनाएं भी चल रही हैं, ताकि दुनियाभर के बेहतरीन खिलाड़ी भारत आकर खेलने के लिए आकर्षित हों; साथ ही, प्रतियोगियों द्वारा कैडीज को दिए जाने वाले मेहताने में भी सब्सिडी के रूप में अधिक आर्थिक सहायता रखी गई है, जिससे कि इस महंगे खेल में ज़्यादा से ज़्यादा खिलाड़ी भाग ले पाएं।

कपिल देव आज भी जमीन से जुड़े और मिलनसार इंसान बने हुए हैं; वे गोल्फ कोर्स पर बिताए जाने वाले अपने पलों का भरपूर आनंद लेते हैं, जहां उनका हैंडिकैप आज भी पांच के आसपास है। आज अगर चाहें तो यह उपलब्धि एक प्रोफेशनल गोल्फर के रूप में भाग लेने में उनके चयन के लिए पर्याप्त है। वे कृतज्ञता सहित स्वीकार करते हैं कि हरी घास के मैदान में उनकी यह दूसरी पारी काफी पारितोषिक, सुखद और जीवन को समृद्ध बनाने वाला अनुभव रही है।

सपनों को मिले पहिए : भीमा की 'बैसाखी' से 'आत्मनिर्भरता' तक की प्रेरक यात्रा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

कहते हैं कि अगर मन में कुछ कर गुजरने का जज्बा हो, तो शारीरिक बाधाएं केवल एक पड़ाव मात्र रह जाती हैं, मंजिल नहीं। राजनांदगांव जिले के डोंगरगांव ब्लॉक के ग्राम 'हरदी' के रहने वाले भीमा मारकंडे की कहानी आज संघर्ष कर रहे हजारों युवाओं के लिए एक मिशाल बन गई है।

भीमा की जिंदगी तब बदल गई जब हैदराबाद में निर्माण कार्य (मजदूरी) के दौरान वे ऊंचाई से गिर गए। कमर में आई गंभीर चोट ने उनके चलने-फिरने की शक्ति छीन ली। 80 प्रतिशत दिव्यांगता के साथ 9 वर्ष और 4 वर्ष दो छोटी बेटियों की जिम्मेदारी उठाना पहाड़ तोड़ने जैसा था। बैसाखी ही उनका एकमात्र सहारा थी, लेकिन मंजिल अभी दूर थी।

भीमा ने हार मानने के बजाय स्वावलंबन का रास्ता चुना। उन्होंने समाज कल्याण विभाग के माध्यम से 'बैटरी चलित मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल' के लिए आवेदन किया। राजनांदगांव के मोतीपुर में 4 मई 2026 को आयोजित सुशासन तिहार मे मिला यह आधुनिक उपकरण उनके लिए केवल एक वाहन नहीं, बल्कि उनकी आजादी साबित हुआ।

विभाग द्वारा प्रदान की गई बैटरी चलित ट्राइसाइकिल और बैसाखी से भीमा के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव का रास्ता मजबूत होगा। भीमा अब रोजगार की तलाश में दूर-दराज के क्षेत्रों तक बिना किसी मदद के जा सकेंगे। दूसरों पर निर्भरता खत्म होने से भीमा अब समाज की मुख्यधारा में एक सक्रिय नागरिक की भूमिका निभा सकेगा। अपनी बेटियों के भविष्य को संवारने के लिए अब वे शारीरिक बाधाओं को पीछे छोड़ चुके हैं। भीमा शासन द्वारा दिए गए मदद की प्रशंसा करते हुए कहते है कि राज्य के संवेदनशील मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय अपने आमजनों की समस्याओं का निराकरण सुशासन तिहार के माध्यम से कर रहे है। मैं मुख्यमंत्री का दिल से धन्यवाद करता हूँ।

समाज कल्याण विभाग की उपसंचालक सुश्री वैशाली मरड़वार ने बताया कि जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग की विशेष योजना के तहत नवाचार करते हुए 40 से 79% तक के दिव्यांगता वाले व्यक्ति भी मोटराइज्ड साइकिल के पात्र होंगे। इसके लिए ऑलिम्को उरफमद से जिले के 109 पात्र दिव्यांगों को यह सुविधा प्रदान की जाएगी। भीमा मारकंडे के हस्ताक्षर आज उनके अटूट संकल्प की गवाही देते हैं। उनकी कहानी हमें सिखाती है कि सरकारी योजनाओं का सही लाभ और मन का दृढ़ निश्चय मिलकर किसी भी अंधेरी राह को रोशन कर सकता है। भीमा अब रुकने वाले नहीं हैं, वे उड़ान भरने के लिए तैयार हैं।

युवा कांग्रेस का शक्ति प्रदर्शन : विशाल सम्मेलन, नेताओं के संबोधन और भव्य बाइक रैली से गूंजा शहर

क्षेत्र की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी, बड़ी संख्या में युवाओं की भागीदारी ने इसे शक्ति प्रदर्शन का रूप दे दिया

नई दृष्टिबिंदु / नंदिनी अहिवारा

नगर पालिका अहिवारा के सामने आयोजित युवा कांग्रेस का विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन मंगलवार को उत्साह, ऊर्जा और राजनीतिक जोश के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम ने क्षेत्र की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं की भागीदारी ने इसे शक्ति प्रदर्शन का रूप दे दिया।

सम्मेलन का नेतृत्व युवा नेता अमनदीप सिंह ने किया। कार्यक्रम में क्षेत्र के वरिष्ठ नेताओं और जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिससे आयोजन का महत्व और बढ़ गया। प्रमुख रूप से पूर्व कैबिनेट मंत्री गुरु रुद्र कुमार, भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव, जिला उपाध्यक्ष (दुर्ग ग्रामीण) अमनदीप सिंह, बलजीत सिंह सहित कई वरिष्ठ नेता मंच पर मौजूद रहे।

इसके अलावा प्रदेश स्तर के पदाधिकारियों में प्रदेश महासचिव जुल्फी सिद्दीकी, प्रदेश सचिव सतीश ठाकुर, विधानसभा अध्यक्ष खिलेश्वर यादव, विधानसभा उपाध्यक्ष नेतराम साहू, युवा

नेता बीरबल शेरगिल एवं शीतल तारक सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और युवाओं ने सम्मेलन में भाग लिया।

बाइक रैली से दिखी एकजुटता और ताकत

कार्यक्रम के समापन के बाद शहर में एक भव्य बाइक रैली निकाली गई, जिसमें सैकड़ों युवाओं ने भाग लिया। रैली नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पूरे क्षेत्र में भ्रमण करती रही। रैली के दौरान कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। जगह-जगह नागरिकों ने स्वागत किया और युवा कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाया। रैली ने पूरे शहर में राजनीतिक सक्रियता का माहौल बना दिया।

युवाओं को दी गई जिम्मेदारी, संगठन मजबूती पर जोर

सम्मेलन के दौरान वक्ताओं ने युवाओं को संगठन की रीढ़ बताते हुए उन्हें राजनीति और समाज में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। नेताओं ने कहा कि आज का युवा केवल दर्शक नहीं, बल्कि बदलाव का वाहक है। उन्होंने संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने, आम जनता से जुड़ने और सामाजिक मुद्दों पर सक्रिय रहने की आवश्यकता पर जोर दिया। वक्ताओं ने यह भी कहा कि युवाओं की ऊर्जा और भागीदारी ही लोकतंत्र को सशक्त बनाती है और आने वाले समय में यही युवा नेतृत्व की कमान संभालेंगे।

क्षेत्रीय राजनीति को मिली नई दिशा

इस आयोजन को अहिवारा क्षेत्र में युवा कांग्रेस के बढ़ते प्रभाव और संगठन की मजबूती के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। सम्मेलन और रैली के माध्यम से युवाओं ने अपनी एकजुटता और सक्रियता का स्पष्ट संदेश दिया। राजनीतिक जानकारों के अनुसार, इस प्रकार के बड़े आयोजन आने वाले समय में स्थानीय राजनीति पर असर डाल सकते हैं और युवाओं की भागीदारी को नई दिशा दे सकते हैं।

इनोवेशन महाकुंभ 1.0 में वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने किया स्टॉल्स का निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / बस्तर

छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने बस्तर स्थित शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में आयोजित इनोवेशन महाकुंभ 1.0 में पहुंचकर विभिन्न स्टॉल्स का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों तथा बस्तर के युवाओं द्वारा विकसित नवाचारों को करीब से देखा और उनके प्रयासों की सराहना की।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने युवाओं से संवाद करते हुए कहा कि यदि हम माँ सरस्वती के उपासक बनेंगे, तो माँ लक्ष्मी स्वयं हमारे साथ आएंगी। उन्होंने ज्ञान और कौशल को सफलता की कुंजी बताते हुए युवाओं को निरंतर सीखने और खुद को विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आज का दौर ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था का है, जिसमें नवाचार और तकनीकी कौशल की महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे आयोजनों से युवाओं को अपने विचारों को प्रदर्शित करने का मंच मिलता है और उन्हें आगे बढ़ने की दिशा मिलती है।

कार्यक्रम में उपस्थित नवाचारकर्ताओं ने अपने-अपने प्रोजेक्ट्स और आइडियाज प्रस्तुत किए, जिनमें तकनीक, कृषि, शिक्षा और स्थानीय समस्याओं के समाधान से जुड़े कई उपयोगी मॉडल शामिल रहे। वित्त मंत्री ने इन प्रयासों को सराहनीय बताते हुए कहा कि प्रदेश के युवा नई सोच और ऊर्जा के साथ विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। इनोवेशन महाकुंभ 1.0 जैसे आयोजन प्रदेश में नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देने और युवाओं को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हो रहे हैं।

प्रभारी सचिव ने पीएम श्री एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय और छुरी कला का किया औचक निरीक्षण, दिए आवश्यक निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / कोरबा

प्रभारी सचिव रोहित यादव ने विकासखंड कटघोरा अंतर्गत छुरी कला स्थित पीएम श्री एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय का औचक निरीक्षण कर विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों, छात्र-छात्राओं की प्रगति तथा उपलब्ध सुविधाओं का विस्तृत अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान प्रभारी सचिव ने विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों के शैक्षणिक प्रदर्शन, पढ़ाई के वातावरण एवं उपलब्ध संसाधनों के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने शिक्षकों से चर्चा करते हुए उनके अनुभव, शिक्षण पद्धति एवं विद्यार्थियों के समग्र विकास हेतु किए जा रहे प्रयासों के बारे में जाना।

प्रभारी सचिव ने विद्यालय के केमिस्ट्री लैब का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध उपकरणों एवं सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने यह भी जाना कि विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थी किस प्रकार प्रयोगशाला का उपयोग कर रहे हैं। इसके पश्चात उन्होंने कक्षाओं एवं स्मार्ट क्लासरूम का निरीक्षण कर शिक्षण व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि विद्यालय में आवश्यक वाइटवॉश, मरम्मत एवं सुधार कार्य ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान पूर्ण कर लिए जाएं, ताकि आगामी सत्र में विद्यार्थियों को बेहतर वातावरण मिल सके।

प्रभारी सचिव ने परीक्षा कक्ष का निरीक्षण कर प्रश्नपत्रों, परीक्षा पद्धति, पाठ्यक्रम एवं भाषा संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी ली। स्टाफ रूम में शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं से चर्चा करते हुए उन्हें प्रदान की जा रही प्रशिक्षण सुविधाओं तथा उनके अनुभवों के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस दौरान उन्होंने कहा कि शासन द्वारा इस विद्यालय को एक आदर्श मॉडल के रूप में विकसित किया गया है

और इसमें और सुधार की संभावनाओं को चिन्हित कर उन्हें पूर्ण किया जाना चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि आवासीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की संपूर्ण जिम्मेदारी संस्था की होती है, इसलिए लंबी छुट्टियों का उनके अध्ययन पर प्रभाव पड़ता है। इस दिशा में प्रभावी कदम उठाने के निर्देश भी दिए।

इसके उपरांत उन्होंने विद्यालय के ऑडिटोरियम का निरीक्षण कर विभिन्न सह-शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली तथा विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई कलाकृतियों एवं आर्टवर्क की सराहना की। उन्होंने विद्यार्थियों के टाइम-टेबल का अवलोकन कर उनकी दैनिक दिनचर्या के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। विद्यालय के प्राचार्य श्री असद अहमद ने बताया कि विद्यार्थियों को मोबाइल फोन की अनुमति नहीं है तथा सप्ताह में एक बार नियमित रूप से जांच भी की जाती है।

प्रभारी सचिव ने छात्रावास (हॉस्टल) की व्यवस्थाओं एवं शिक्षकों के आवास से संबंधित सुविधाओं की समीक्षा की। इस दौरान लाइब्रेरी कक्ष का निरीक्षण करते हुए वहां उपलब्ध संसाधनों की जानकारी ली। शिक्षकों द्वारा बताया गया कि लाइब्रेरी 24 घंटे संचालित रहती है, जिससे विद्यार्थी पुस्तकों एवं अन्य अध्ययन सामग्री के साथ निरंतर अध्ययन कर सकते हैं। प्रभारी सचिव श्री यादव ने बालिका छात्रावास का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा मेस में उपलब्ध भोजन एवं पेयजल सुविधाओं की गुणवत्ता की जानकारी ली।

इस अवसर पर कलेक्टर कुणाल दुदावत ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में जिला खनिज संस्थान न्यास मद से विभिन्न शैक्षणिक एवं आधारभूत सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा एवं संसाधन उपलब्ध हो सकें। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ दिनेश कुमार नाग, अपर कलेक्टर देवेंद्र कुमार पटेल, ओंकार यादव, एसडीएम कटघोरा तन्मय खन्ना, एसडीएम पाली रोहित कुमार सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

महासमुंद जिला यूनियन में तेंदूपत्ता सीजन में संग्रहण प्रारंभ, गुणवत्ता पर निगरानी

नई दृष्टिबिंदु / महासमुंद

महासमुंद जिला यूनियन के अंतर्गत तेंदूपत्ता संग्रहण वर्ष 2026 का कार्य 03 मई 2026 से सुचारु रूप से प्रारंभ हो चुका है। इस वर्ष कुल संग्रहण लक्ष्य 91,300 मानक बोरा निर्धारित किया गया है। दिनांक 04 मई 2026 तक 13,814.570 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण किया जा चुका है, जो प्रारंभिक चरण में संतोषजनक प्रगति को दर्शाता है।

जिला यूनियन के प्रबंध संचालक मयंक पांडेय के कुशल मार्गदर्शन एवं निरंतर मॉनिटरिंग के चलते तेंदूपत्ते का संग्रहण उच्च गुणवत्ता के साथ किया जा रहा है। वनमंडल के समस्त उपवनमंडल अधिकारी एवं परिक्षेत्र अधिकारीगण द्वारा नियमित रूप से फड़ों का निरीक्षण किया जा रहा है, जिससे तेंदूपत्ते की गुणवत्ता में किसी प्रकार की कमी न आए।

इस वर्ष महासमुंद जिला यूनियन के अंतर्गत 75 प्राथमिक वनोपज सहकारी समितियों के माध्यम से 786 तेंदूपत्ता फड़ों में लगभग 44,900 संग्राहक परिवार सक्रिय रूप से संग्रहण कार्य में संलग्न हैं। इस वर्ष तेंदूपत्ता का निर्धारित पारिश्रमिक 5,500 प्रति मानक बोरा है, जिससे संग्राहकों को बेहतर आर्थिक लाभ प्राप्त होगा।

उपवनमंडल अधिकारी महासमुंद गोविंद सिंह ने बताया कि इस वर्ष तेंदूपत्ते की गुणवत्ता अत्यंत उत्तम है तथा मौसम भी संग्रहण के लिए पूरी तरह अनुकूल बना हुआ है। यदि निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति होती है, तो लगभग 44,900 संग्राहक परिवारों के मुखियाओं के निजी बैंक खातों में कुल 50.21 करोड़ (लगभग) की राशि सीधे अंतरित की जाएगी, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

पैकेज ड्रिंकिंग वाटर विक्रेताओं व निर्माताओं और नशीली व मन : प्रभावी औषधी प्रतिष्ठानों की सघन जांच

नई दृष्टिबिंदु / मुंगेली

जिले में नागरिकों को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री और औषधि उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित सही दवा-शुद्ध आहार यही छत्तीसगढ़ का आधार अभियान के तहत 15 दिवसीय सघन जांच अभियान लगातार जारी है। कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार जिले में यह अभियान 11 मई तक संचालित किया जाएगा।

इसी कड़ी में खाद्य एवं औषधि प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा पैकेज ड्रिंकिंग वाटर विक्रेताओं एवं निर्माताओं के प्रतिष्ठानों की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई, जल निकासी, कर्मचारियों के स्वास्थ्य परीक्षण, पैकेजिंग प्रक्रिया एवं

निर्माण/अवसान तिथि के सही अंकन जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं का परीक्षण किया गया। अधिकारियों ने सभी प्रतिष्ठानों को गुणवत्ता मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

वहीं औषधि शाखा द्वारा नशीली एवं मनः प्रभावी औषधियों के थोक विक्रेताओं के यहां भी सघन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान औषधियों के क्रय-विक्रय से संबंधित दस्तावेजों की जांच की गई तथा औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 एवं नियमावली 1945 के प्रावधानों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जांच के दौरान एक औषधि का नमूना संकलित कर परीक्षण हेतु राज्य प्रयोगशाला भेजा गया है।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही सभी विक्रेताओं को निर्देशित किया गया है कि वे औषधियों का विक्रय निर्धारित नियमों के अनुसार ही करें तथा सभी लेन-देन का डिजिटल रिकॉर्ड संधारित करें। अधिकारियों ने आमजनों से अपील पैकेज्ड पेयजल एवं खाद्य सामग्री का उपयोग करने से पूर्व उसकी निर्माण एवं समाप्ति तिथि की जांच अवश्य करने तथा नकली एवं अवैध उत्पादों से बचने के साथ ही सुरक्षित व गुणवत्तायुक्त वस्तुओं का ही उपयोग करने समझाइश दी है।

बलौदाबाजार जिले की 4 स्वास्थ्य संस्थाएं हुई एनक्यूएएस प्रमाणित

नई दृष्टिबिंदु / बलौदाबाजार

जिले में स्वास्थ्य संस्थाओं द्वारा दी जा रही सुविधाओं पर राष्ट्रीय स्तर के मूल्यांकन में एक बार पुनः प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ है । इस बार आयुष्मान आरोग्य मंदिर मोहरा 94.16 मोहभट्टा 92.61सकलोर 95.36 प्रतिशत के साथ एनक्यूएएस प्रमाणित हुआ जबकि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दतान को 88.59 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए हैं । इसमें आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को 12 सेवाओं तथा पीएचसी को 6 विभागों हेतु प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश अवस्थी ने बताया कि एनक्यूएएस निरीक्षण में सेवा प्रावधान, मरीजों के अधिकार, बुनियादी ढांचा, नैदानिक सेवाएं और संक्रमण नियंत्रण जैसे प्रमुख क्षेत्रों का मूल्यांकन किया जाता है। राष्ट्रीय

गुणवत्ता आश्वासन मानक का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में मरीजों को बेहतर और भरोसेमंद स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। बेहतर प्रदर्शन करने वाले केंद्रों को प्रमाण पत्र और प्रोत्साहन मिलता है, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ती है। जिले में अब तक कुल 54 संस्थाएं इस प्रमाण पत्र को प्राप्त कर चुकी हैं। इसमें जिला अस्पताल और सिमगा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहित 17 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और 35 आयुष्मान आरोग्य मंदिर सम्मिलित हैं। 6 संस्थाओं के परिणाम अभी आने बाकी हैं।

किसानों ने सीखे आय बढ़ाने के गुर, औषधीय खेती की ओर बढ़ा रुझान

नई सुबह की ओर अभियान से मिली दिशा, खस-ब्राह्मी की खेती से दोगुनी आय की संभावना

नई दृष्टिबिंदु / बस्तर

नक्सल प्रभावित बस्तर के अबूझमाड़ क्षेत्र के किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। औषधि पादप बोर्ड रायपुर द्वारा 2 मई को नारायणपुर जिले के 50 से अधिक आदिवासी किसानों के लिए धमतरी जिले में अध्ययन प्रवास सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम के तहत कोहकमेटा, कुरुषनार, कंदाड़ी, किहकाड, कोडोली और बासिंग गांव के किसानों को औषधीय एवं सुगंधित पौधों की उन्नत खेती की तकनीकों से अवगत कराया गया। किसानों ने महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा की जा रही खस, ब्राह्मी और बच की खेती का अवलोकन कर व्यावहारिक जानकारी हासिल की।

यह कार्यक्रम नई सुबह की ओर अभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य बस्तर के किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और उन्हें बाजार में मांग वाली फसलों की ओर प्रेरित करना है। इस पहल के माध्यम से कौशल विकास और आय वृद्धि पर विशेष जोर

दिया जा रहा है।

अध्ययन प्रवास के दौरान किसानों को ग्राम कंडेल में ब्राह्मी की खेती का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। जिला कंसल्टेंट फकीरचंद कोसरिया ने खेत की तैयारी, रोपण, सिंचाई, उर्वरक प्रबंधन और विपणन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं।

महिला स्व-सहायता समूह की सदस्य श्रीमती सत्या ढीमर ने मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षण देते हुए बताया कि पारंपरिक धान की तुलना में खस, ब्राह्मी और बच की खेती से दोगुना मुनाफा मिल रहा है। उन्होंने बताया कि इन फसलों में लागत कम होती है और एक बार रोपण के बाद 3-4 वर्षों तक उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। किसानों को ग्राम मदरौद में खस की खेती का निरीक्षण कराया गया। यहां बताया गया कि खस की बाजार में अत्यधिक मांग है और इसे नदी-नालों के किनारे आसानी से उगाया जा सकता है। धमतरी मॉडल को बस्तर में अपनाने की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। किसानों को जानकारी दी गई कि औषधि पादप बोर्ड द्वारा प्रशिक्षण और पौधे निःशुल्क उपलब्ध कराए जाते हैं। साथ ही निवेशकों के साथ अनुबंध के माध्यम से अग्रिम राशि देकर आर्थिक सहायता भी प्रदान की जाती है।

इस अध्ययन प्रवास के बाद अबूझमाड़ के किसान औषधीय खेती को लेकर काफी उत्साहित नजर आए। जो किसान अब तक विकास की मुख्यधारा से दूर थे, वे अब अपने खेतों में इन फसलों को अपनाने के लिए प्रेरित हुए हैं। बोर्ड के सीईओ जे.ए.सी.एस. राव ने बताया कि बस्तर के सभी जिलों में इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती के माध्यम से किसानों की आय दो से तीन गुना तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के तहत नि :शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

जिले में सुशासन त्योहार के अंतर्गत जनसमस्या निवारण शिविरों के दौरान बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के तहत किशोरी बालिकाओं के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर परियोजना बेमेतरा अंतर्गत ग्राम पंचायत मोहरेंगा एवं परियोजना बेरला अंतर्गत ग्राम पंचायत सल्धा में आयोजित हुआ।

जिला महिला सशक्तिकरण केंद्र (हब) द्वारा भारत सरकार की काययीजना के अनुरूप, कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं के निर्देशानुसार तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी चन्द्रबेश सिंह सिसोदिया के मार्गदर्शन में कार्यक्रम संपन्न हुआ। शिविर में किशोरी बालिकाओं को मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए सेनेटरी पैड एवं संगिनी दीदी के गोठ

पुस्तिका का वितरण किया गया।

इस अवसर पर बालिकाओं का हीमोग्लोबिन टेस्ट कर निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की गई तथा पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। साथ ही एचपीवी वैक्सीनेशन, बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के बारे में भी विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में संतुलित आहार, आयरन युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन, IFA टैबलेट के महत्व, एनीमिया की रोकथाम एवं मासिक धर्म स्वच्छता जैसे विषयों पर विशेष चर्चा की गई। इसके अलावा महिला एवं बाल सुरक्षा से संबंधित हेल्पलाइन नंबर जैसे 181 सखी वन स्टॉप सेंटर, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 तथा पॉक्सो अधिनियम की जानकारी भी उपस्थित हितग्राहियों को दी गई। इस शिविर में परियोजना अधिकारी, जिला महिला सशक्तिकरण केंद्र, सखी वन स्टॉप सेंटर, चाइल्डलाइन की टीम, सेक्टर सुपरवाइजर एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की सक्रिय सहभागिता रही।

बॉलीवुड में चरम पर है निगेटिव पीआर

बॉलीवुड में पीआर कल्चर काफी बढ़ गया है। इसके साथ ही पैसे देकर किसी के खिलाफ निगेटिव पीआर इन दिनों एक बड़ा मुद्दा बना हुआ है। इस बारे में कई कलाकारों ने खुलकर बात की। करण जौहर ने तो पेड पीआर को बंद करने की अपील भी की। अब अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने पेड निगेटिव पीआर को लेकर बात की है। नवाज का कहना है कि मौजूदा दौर एक चरम स्तर पर पहुंच गया है, जहां बॉट्स, झूठी कहानियां और मनगढ़ंत राय जनता की सोच को प्रभावित कर रही हैं। आज के दौर में कई चीजें एक अभिनेता के कंट्रोल से बाहर हैं।

मेरा काम सिर्फ फिल्म पर काम करना और मेहनत करना

बातचीत में नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने निगेटिव पीआर और पीआर कल्चर को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि एक अभिनेता के कंट्रोल में केवल एक ही चीज है और वो है अच्छा प्रदर्शन करना। प्रदर्शन कितना आगे जाएगा, यह उनके हाथ में नहीं है। फिल्म के प्रमोशन के बारे में उन्होंने कहा कि अगर प्रमोशन न होता तो लोग उन्हें असल जिंदगी में देख भी नहीं पाते, क्योंकि वे एकांत में रहना पसंद करते हैं। मेरा काम सिर्फ फिल्म को अपना पूरा प्रयास, मेहनत, एकाग्रता और ध्यान देना है। एक बार ये सबकुछ हो जाने पर मेरा काम खत्म हो जाता है।

यह एक बुरा समय चल रहा है

निगेटिव पीआर कंपेन को लेकर नवाज ने कहा कि यह दौर अपने चरम पर है। अभी बहुत कुछ देखना बाकी है और वह भी इसी दौर में होगा। इसलिए यह एक अजीब दुनिया है। मुझे लगता है कि यह कुछ समय तक ऐसे ही रहेगा। उसके बाद कहते हैं कि जब बुरा समय आता है, तो हर चीज के लिए बुरा समय होता है। क्रिएटिविटी के लिए भी बुरा समय है। हर चीज के लिए बुरा। शायद कुछ साल के बाद अच्छा समय आएगा। लोग बिना किसी अर्थहीन नफरत के सही चीजों को पहचानने लगेंगे। कुछ साल बाद लोग खुद ही समझ जाएंगे कि कौन क्या है, क्या सच है, क्या झूठ है? मुझे नहीं पता था कि यह दौर लोगों के लिए इतना घटिया हो जाएगा कि अगर मैं दस लोगों को पैसे दूं और उनसे कहूं कि वह एक अच्छा अभिनेता है, तो लोग इस पर विश्वास करने लगेंगे। उनकी अपनी शिक्षा कहां गई? उनकी समझने की क्षमता कहां चली गई? हां, अगर मैं दस लोगों को पैसे दूं और उनसे कहूं कि आप बहुत अच्छे हैं, तो ग्यारहवां व्यक्ति खुद ही यह कह देगा। मेरे जैसे अभिनेताओं में एक अलग तरह का आत्मविश्वास होता है।

यश स्टारर 'टॉक्सिक' को लेकर उत्साहित रुक्मिणी वसंत

'कांतारा: ए लीजेंड चैप्टर 1' की सफलता का जश्न मना रही अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत अब अपनी अगली बड़ी फिल्म 'टॉक्सिक: अ फेरीटेल फॉर ग्रो-अप्स' को लेकर काफी उत्साहित नजर आ रही हैं। हाल ही में रुक्मिणी ने फिल्म के भव्य स्केल और अनोखी दुनिया के बारे में खुलकर बात की। रुक्मिणी वसंत ने बताया कि फिल्म का स्केल इतना बड़ा और प्रभावशाली है कि उन्होंने पहले कभी ऐसा कुछ नहीं देखा। उन्होंने कहा, 'इसका स्केल निश्चित रूप से ऐसा है जैसा मैंने अब तक कभी नहीं देखा। फिल्म के लिए बनाई जा रही सिनेमाई दुनिया पूरी तरह फ्रेश और बेहद भव्य है। निर्देशक गीतू मोहनदास और अभिनेता यश द्वारा तैयार की जा रही इस दुनिया को देखकर उन्हें बहुत खुशी हो रही है। रुक्मिणी ने बताया, 'मुझे लगता है कि हमारी डायरेक्टर गीतू मोहनदास और यश जो फिल्म तैयार कर रहे हैं, वह इतनी विशाल और नई है कि यह मुझे सचमुच कुछ अनोखा और अलग लगता है। मैं इस फिल्म का हिस्सा बनकर बहुत उत्साहित हूं। मुझे यह देखने के लिए भी उत्सुकता है कि दर्शक इस नई दुनिया पर कैसी प्रतिक्रिया देते हैं।'

उन्होंने फिल्म पर बात करते हुए कहा कि वह खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हैं कि उन्हें इस प्रोजेक्ट में काम करने का मौका मिला है। उन्होंने बताया कि 4 जून को रिलीज होने वाली यह फिल्म उन्हें सबसे ज्यादा रोमांचित कर रही है। यह फिल्म यश और वेंकट के. नारायण की प्रोडक्शन कंपनियों केवीएन प्रोडक्शंस और मॉनस्टर माइंड क्रिएशंस के बैनर तले बन रही है। फिल्म में यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, हुमा कुरैशी, अक्षय ओबेरॉय और सुदेव नायर जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं।

'टॉक्सिक' हिंदी, तेलुगु के साथ तमिल, मलयालम समेत कई भारतीय और अंतरराष्ट्रीय भाषाओं में डब किया जाएगा, जिससे यह पूरे देश के साथ-साथ विदेशों में भी दर्शकों तक पहुंच सकेगी। रुक्मिणी वसंत इस फिल्म के अलावा जूनियर एनटीआर की अगली फिल्म में भी काम कर रही हैं। उनके पास कुछ अनऑनाउंस्ड प्रोजेक्ट्स भी हैं, जिनकी घोषणा जल्द ही होने की उम्मीद है।

फिल्म 'गवर्नर' को लेकर उत्साहित हैं अदा शर्मा

अभिनेत्री अदा शर्मा आने वाली फिल्म 'गवर्नर' में अभिनेता मनोज बाजपेयी के साथ काम को लेकर खुश हैं। वे इस फिल्म में मनोज बाजपेयी के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। उन्होंने कहा कि वह उनके साथ काम करके बहुत खुश हैं। इसके साथ ही, अभिनेत्री ने मनोज बाजपेयी की खूब प्रशंसा की। मनोज बाजपेयी के साथ पहली बार काम करने के बारे में अदा शर्मा ने कहा, 'वह (बाजपेयी) इस फिल्म का चेहरा हैं। वह 'गवर्नर' में गवर्नर का रोल निभा रहे हैं।' फिल्म में अपने किरदार के बारे में अदा शर्मा ने कहा, 'मैं उनके साथ स्क्रीन शेयर करके बहुत खुश हूं। हमारे डायरेक्टर चिन्मय मंडलेकर बहुत अच्छे हैं, जो खुद भी एक शानदार एक्टर हैं। मेरे किरदार में भी एक अच्छा सरप्राइज है और यह कुछ ऐसा है जो मैंने पहले कभी नहीं किया।'

बता दें कि 23 अप्रैल को मनोज बाजपेयी के जन्मदिन पर फिल्म का पोस्टर रिलीज किया गया था। फिल्ममेकर विपुल अमृतलाल शाह ने यह पोस्टर रिलीज किया। चिन्मय मंडलेकर की ओर से निर्देशित फिल्म 'गवर्नर: द साइलेंट सेवियर' के पहले पोस्टर में मनोज पीछे से नजर आ रहे हैं। वह एक बैग लेकर कॉरिडोर में चल रहे हैं। इसके साथ टैगलाइन है, 'अगर मैं फेल हुआ... तो इंडिया फेल हो जाएगा', जो एक जबरदस्त लीगल ड्रामा की ओर इशारा करती है। पोस्टर में एक हरी कुर्सी को खास तौर पर दिखाया गया है, जिसके साथ टैगलाइन हैं- 'यह सिर्फ कुर्सी नहीं, जिम्मेदारी है।' यह टैगलाइन देश पर आधारित एक गंभीर कहानी की ओर इशारा करती है। चिन्मय मंडलेकर की ओर से निर्देशित इस फिल्म को सनशाइन पिक्चर्स ने प्रस्तुत किया है। विपुल अमृतलाल शाह फिल्म के प्रोड्यूसर हैं और को-प्रोड्यूसर आसीन ए. शाह हैं। इसकी कहानी सुवेंदु भट्टाचार्य, सौरभ भारत, रवि असरानी और विपुल अमृतलाल शाह ने लिखी है।

'कर्तव्य' निभाने को तैयार सैफ अली खान, सामने आई आगामी फिल्म की रिलीज डेट

सैफ अली खान जल्द ही खाकी वर्दी में अपना 'कर्तव्य' निभाते नजर आएंगे। नेटफ्लिक्स की उनकी आगामी फिल्म 'कर्तव्य' की रिलीज डेट आज सामने आ गई है। टीजर के जारी होने के बाद से ही फैंस फिल्म का इंतजार कर रहे थे, अब आज मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट घोषित कर दी है।

15 मई को रिलीज होगी फिल्म

शाहरुख खान के प्रोडक्शन हाउस रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के तले बनी पुलिस-ड्रामा फिल्म 'कर्तव्य' नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। ओटीटी प्लेटफॉर्म ने आज एक पोस्ट के जरिए फिल्म की रिलीज डेट घोषित की है। जिसके तहत 'कर्तव्य' 15 मई से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम करेगी। नेटफ्लिक्स ने फिल्म से सैफ अली खान का एक पोस्टर साझा किया। इसमें सैफ पुलिस की वर्दी में निराश नजर आ रहे हैं। उनके सामने आग जलती दिख रही है। इसके साथ ही कैप्शन में लिखा गया, 'कर्तव्य के इस चक्रव्यूह में हर फैसला एक इम्तिहान होगा।'

ऐसी है कहानी

'कर्तव्य' की कहानी एक पुलिस अधिकारी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो ऐसी दुनिया में अपना काम करने की कोशिश करता है जहां सही और गलत की कोई स्पष्ट परिभाषा नहीं है। जहां उसके सामने भावनात्मक और नैतिक दुविधाएं आती हैं, क्योंकि वह पेशेवर जिम्मेदारियों और व्यक्तिगत हितों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करता है। जैसे-जैसे खतरे बढ़ते हैं, अधिकारी खुद को अपनी सीमाओं तक धकेला हुआ पाता है और न्याय की कीमत और चुप्पी के परिणामों पर सवाल उठाने लगता है।

नजर आएगी दमदार कास्ट

फिल्म का निर्देशन 'भक्षक' फेम पुलकित ने किया है। फिल्म में सैफ अली खान मुख्य भूमिका में हैं। इसके अलावा रसिका दुगल, संजय मिश्रा, जाकिर हुसैन और मनीष चौधरी सरीखे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण शाहरुख खान की रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के तहक किया गया है। इसे प्रोड्यूस गौरी खान ने किया है। 'सेक्रेड गेम्स' की सफलता के बाद सैफ अली खान एक बार फिर पुलिस वाले किरदार में नजर आएंगे।

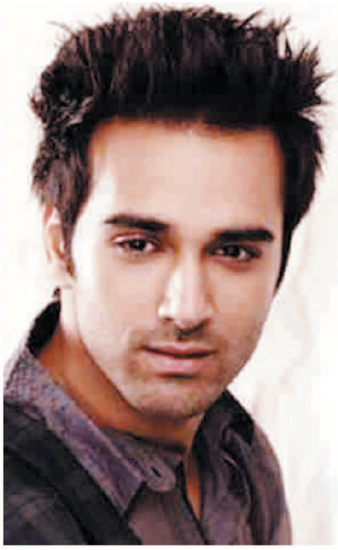

अब काम मांगने में नहीं शरमाता, हमारा स्ट्रगल फिल्म हिट होने के बाद भी खत्म नहीं होता

एक्टर पुलकित सम्राट इस वक्त नई सीरीज 'ग्लोरी' को लेकर सुर्खियों में हैं। 'फुकरे' जैसी हिट फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहे पुलकित ने कहा कि हिट देने के बाद भी स्ट्रगल खत्म नहीं होता और इसलिए उन्हें काम मांगने में कोई शर्म नहीं आती। उन्होंने स्ट्रगल के अलावा 'ग्लोरी' में रोल और उन खामियों पर बात की, जो दूर की हैं।

'फिल्म इंडस्ट्री में स्ट्रगल के दौरान आपको लगता है कि सबसे मुश्किल काम पहला ब्रेक मिलना है, मगर मेरा यकीन मानिए उससे भी ज्यादा मुश्किल है लगातार काम मिलते रहना।' यह कहना है एक्टर पुलकित सम्राट का। फिल्म 'बिट्टू बॉस' से फिल्मी करियर शुरू करने वाले पुलकित ने अपने इस सफर में सुपरहिट 'फुकरे' फ्रेंचाइजी से लेकर 'डॉली की डोली' और 'पागलपंती' जैसी चर्चित फिल्मों से अपनी पहचान बनाई, मगर पुलकित का कहना है कि बॉलीवुड में काम पाने के लिए लगातार मेहनत करने रहनी पड़ती है।

'फुकरे' सुपरहिट होने के बाद भी काम की झड़ी नहीं लग गई

पुलकित की नई वेब सीरीज 'ग्लोरी' सपनों और महत्वाकांक्षाओं पर आधारित है। ऐसे में, एक्टर बनने के अपने सपने को पूरा करने के लिए की गई जद्दोजहद को याद करते हुए पुलकित बताते हैं, 'इंडस्ट्री में हमारा कोई गॉडफादर नहीं था। हम आउटसाइडर थे और यहां अपनी जगह बनाना चाहते हैं, लेकिन जगह आप तभी बना पाएंगे, जब आपको कुछ काम मिलेगा। इसलिए, पहले तो वो काम मिलना जरूरी है। उस पर आपको लगता है कि सबसे मुश्किल चीज यह पहला काम मिलना ही है। आप सोचते हैं कि बस एक ब्रेक मिल जाए, लेकिन मेरा यकीन करिए कि आपको लगातार काम मिलते रहना सबसे मुश्किल चीज है और उसके लिए आपको मेहनत करते रहना पड़ेगा। आपको जाकर लोगों को खुद को बतौर प्रोडक्ट दिखाना पड़ेगा। वह बहुत जरूरी है।'

काम मांगने में कोई शर्म नहीं है

'खुशकिस्मती से आज हमारे पास इतने प्लेटफॉर्म हैं कि कोई कलाकार ये बोले कि मुझे काम नहीं मिल रहा तो मेरे हिसाब से वो काम करना ही नहीं चाहता क्योंकि आज काम करने की बहुत सारी जगहें हैं। मैंने जब शुरुआत की थी, तब ऐसा नहीं था। आज बहुत सारे मंच हैं। बस आप घर से निकलिए, लोगों से बोलिए कि मुझे काम करना है। काम मांगिए और काम मांगने में कोई शर्म नहीं है, जो पहले मुझे लगता था कि मैं दिखा तो दिया। 'फुकरे' कर ली, फिल्म सुपरहिट हो गई, अब तो कल से लाइन लग जाएगी लेकिन कोई लाइन नहीं लगती। यह सच्चाई है। आपके लिए दरवाजे बेशक खुल जाते हैं पर उस दहलीज को पार करके अंदर जाना आपका काम है और मुझे लगता है कि सेट से ज्यादा काम सेट के बाहर रहता है।'

मैं जैसा पहले था, उस पर गर्व नहीं

सीरीज में पुलकित अपने गुस्से पर काबू करने की कोशिश करते हैं। असल जिंदगी में उन्होंने अपनी किसी खामी पर जीत पाई है? यह पर उन्होंने बताया, 'मुझमें बहुत खामियां थीं। एक वक्त पर मैं अपने आप का एक ऐसा वर्जन था जिस पर मुझे आज बिल्कुल गर्व नहीं है। ऐसी बहुत सी चीजें थीं जो मुझे धीरे-धीरे समझ में आई। जब मैं घर से निकला, अकेले उड़ान भरनी शुरू की, ठोकरें खाई तब मुझे समझ आई कि जीने का ये सही तरीका नहीं है। शुरू में हमें ज्यादा समझ नहीं होती है। आप कभी मजाक में किसी को ऐसी बात बोल देते हैं जो शायद उसे बुरी लगे। आज समझ में आता है कि नहीं यार, मुझे ऐसे नहीं बोलना चाहिए था या मुझे सेट पर ऐसे बर्ताव नहीं करना चाहिए था या मैं इस सिचुएशन को बिना गुस्से के भी हैंडल कर सकता था। तब जब लोग आपको बोलते भी हैं न तो भी समझ में नहीं आता है, जब तक आपके पिछवाड़े पर लात नहीं पड़ती।'

बॉक्सिंग ने सिखाया जिंदगी का सबक

सीरीज में बॉक्सर की भूमिका के लिए की तैयारी पर वह बताते हैं, 'इसमें मेरा किरदार एक प्रोफेशनल बॉक्सर का है, तो उसके लिए बहुत ज्यादा फिजिकल ट्रेनिंग करनी पड़ी। बॉक्सिंग को समझना पड़ा और जब मैंने ट्रेनिंग शुरू की, तब मुझे समझ आया कि बॉक्सिंग केवल फिजिकल नहीं है, यह एक माइंड गेम भी है। यह एक शतरंज के खेल की तरह है जहां आप रिंग में अपने विरोधी का दिमाग पढ़ रहे हैं। उनकी बॉडी लैंग्वेज समझ रहे हैं और मैं कहूंगा कि बॉक्सिंग ने मुझे ये सिखाया कि उन्हीं नियमों को अपनी असल जिंदगी में भी कैसे उतार सकते हैं और मुश्किल परिस्थितियों में उससे कैसे निकल सकते हैं। बॉक्सिंग ने मुझे यह सिखाया कि सिर्फ फिजिकली फिट दिखना काफी नहीं है।

कल से चावल महोत्सव के साथ रोजगार और आवास दिवस का होगा आयोजन

आवास योजनाओं में 90 दिवस में पूणर्ता का लक्ष्य, हितग्राहियों को दी जाएगी पूरी जानकारी

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

प्रदेश की समस्त ग्राम पंचायतों में 07 मई 2026 को चावल महोत्सव के साथ रोजगार दिवस एवं आवास दिवस का व्यापक आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन सुशासन तिहार के अंतर्गत किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में शासन की प्रमुख योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर ग्राम पंचायत, विकासखंड एवं जिला स्तर पर दोनों योजनाओं से संबंधित सभी लंबित विषयों एवं समस्याओं का शत-प्रतिशत निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं।

आवास योजनाओं, विशेषकर प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत स्वीकृत सभी आवासों को अधिकतम 90 दिनों में पूर्ण कराने के लिए ग्राम पंचायतों में विस्तृत कारयीजना पर चर्चा की जाएगी। साथ ही हितग्राहियों को अब तक प्राप्त राशि की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी तथा उनकी समस्याओं का समाधान मौके पर किया जाएगा। स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को निर्माण सामग्री आपूर्ति एवं आजीविका गतिविधियों में भागीदारी हेतु प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके अलावा रेन वाटर हार्वेस्टिंग को बढ़ावा देने, लंबित जियो-टैगिंग कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने तथा प्राप्त शिकायतों के तत्काल निराकरण पर विशेष जोर दिया जाएगा।

मोर गांव-मोर पानी अभियान के तहत नवा तरिया निर्माण को गति

मोर गांव - मोर पानी - मोर तरिया अभियान अंतर्गत नवा तरिया - आय के जरिया पहल को गति देते हुए सभी उछत्रसमूहों के लिए मई माह में नवा तरिया निर्माण कार्य पूर्ण करने की कारयीजना बनाई जाएगी। कार्यों के शुभारंभ एवं प्रगति के दौरान जनप्रतिनिधियों को अनिवार्य रूप से आमंत्रित किया जाएगा तथा स्लोगन, नारे और जिंगल के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा।

मनरेगा कार्यों में तेजी, नए कार्यों की भी होगी शुरुआत

मनरेगा के अंतर्गत चल रहे सभी प्रगतिरत कार्यों को माह मई के भीतर पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही स्थानीय मांग के अनुसार नए कार्यों की शुरुआत करने पर भी चर्चा की जाएगी, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक से अधिक रोजगार के अवसर सृजित हो सकें।

आजीविका संवर्धन व पारदर्शिता पर जोर

आजीविका डबरी के माध्यम से लाइवलिहुड लायरिंग गतिविधियों को अंतिम रूप दिया जाएगा, जिससे ग्रामीण परिवारों की आय में वृद्धि सुनिश्चित हो सके। साथ ही ग्राम पंचायतों के नागरिक सूचना पटल पर संबंधित स्व-सहायता समूह की महिला सदस्य का नाम अंकित कर पारदर्शिता सुनिश्चित की जाएगी।

युवाओं की भागीदारी पर फोकस

मनरेगा एवं PMAY-G के कार्यों की जानकारी दफ्कोड के माध्यम से प्रदर्शित की जाएगी। अमृत सरोवरों के सूचना पटल या आसपास के स्थानों पर दफ्कोड लगाकर आम नागरिकों को योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ ही जल संरक्षण एवं जल संवर्धन के कार्यों में युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए ठोस कारयीजना तैयार कर उसके प्रभावी क्रियान्वयन पर भी विशेष चर्चा की जाएगी। यह आयोजन ग्रामीण विकास को नई दिशा देने के साथ-साथ शासन की योजनाओं को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगा।

खास खबर

सुशासन तिहार- मोहरेंगा एवं सलधा में समाधान शिविर आयोजित, ग्रामीणों को मिलेगा योजनाओं का सीधा लाभ

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

जिले में सुशासन तिहार-2026 के अंतर्गत आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण और शासन की योजनाओं का लाभ सीधे आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से दो प्रमुख स्थानों पर समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। जनपद पंचायत बेमेतरा अंतर्गत ग्राम पंचायत मोहरेंगा के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में तथा नगर पंचायत बेरला के ग्राम सलधा स्थित कार्यालय भवन में यह शिविर आयोजित होगा। दोनों स्थानों पर शिविर का समय प्रातः 10 बजे से दोपहर 03 बजे तक निर्धारित किया गया है।

मोहरेंगा क्लस्टर के अंतर्गत ग्राम तुमा, खाम्हरिया, मऊ, झिरिया, भोथीडीह, उसलापुर, आंदू, भसूली, भैंसा, छितापार, ढारा, बालसमुंद, मुनरबोड, राउरपुर, मोहरेंगा, पौसरी, खैरझिटी, अर्जुनी, बावाघठोली एवं बगौद सहित आसपास के ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों को शिविर में आमंत्रित किया गया है। इन सभी ग्रामों के नागरिक अपनी समस्याएं, मांग एवं शिकायतें सीधे शिविर में प्रस्तुत कर सकेंगे। समाधान शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही लाभान्वित करने की व्यवस्था की गई है। साथ ही प्राप्त आवेदनों का यथासंभव त्वरित निराकरण भी किया जाएगा, ताकि लोगों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

शिविर में राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, कृषि, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, खाद्य, श्रम, विद्युत, जल संसाधन सहित अन्य विभागों के जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी-कमर्चारी उपस्थित रहेंगे। वे नागरिकों की समस्याओं को सुनकर मौके पर समाधान सुनिश्चित करेंगे तथा विभिन्न योजनाओं, सेवाओं और कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी भी प्रदान करेंगे। सुशासन तिहार के इस विशेष आयोजन का उद्देश्य शासन और जनता के बीच की दूरी को कम करना, प्रशासनिक सेवाओं को पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाना तथा आम नागरिकों को समयबद्ध राहत उपलब्ध कराना है। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने जिले के समस्त ग्रामीणजनों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में शिविर में उपस्थित होकर अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त करें तथा शासन की योजनाओं का लाभ उठाएं। उन्होंने अधिकारियों को भी निर्देशित किया है कि शिविर में प्राप्त प्रत्येक आवेदन पर गंभीरता से कारर्वाई सुनिश्चित की जाए, ताकि आमजन को वास्तविक राहत मिल सके।

जनदर्शन कार्यक्रम में कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने आमजन की समस्याएं सुनीं

बेमेतरा। जिले में आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से प्रत्येक सोमवार को आयोजित होने वाले जनदर्शन कार्यक्रम के अंतर्गत आज कलेक्टरेट में जनदर्शन का आयोजन किया गया। जनदर्शन में कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं।

जनदर्शन के दौरान नागरिकों ने अपनी विभिन्न मांगों, शिकायतों एवं समस्याओं को प्रशासन के समक्ष रखा। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशीलता के साथ संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को दूरभाष पर एवं समक्ष बुलाकर प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। कई प्रकरणों का समाधान मौके पर ही किया गया। आयोजित जनदर्शन में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 74 आवेदन प्राप्त हुए। तात्कालिक महत्व के मामलों का प्राथमिकता से निराकरण किया गया, जबकि गंभीर एवं जांच योग्य आवेदनों को समय-सीमा (टीएल) पंजी में दर्ज कर नियमानुसार शीघ्र निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। जनदर्शन में निराश्रित एवं वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांग पेंशन, बैटरी चालित ट्रायसायकल, प्रधानमंत्री आवास योजना, कटा हुआ रकबा जोड़ने, खाद गड्ढा हटाने, आम रास्ता खुलवाने सहित अन्य जनहित से जुड़े विषयों पर आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने सभी आवेदकों को उनकी समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

भगवान गौतम बुद्ध के विचार व संदेश आज भी प्रासंगिक : साव

उपमुख्यमंत्री ने सूखे व गीले कचरे के प्रबंधन के लिए संयंत्रों की स्थापना और स्थापित संयंत्रों के उन्नयन व विकास कार्य का किया भूमिपूजन

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने माँ बम्लेश्वरी छिरपानी परिसर शेड डोंगरगढ़ में नगर पालिका परिषद् डोंगरगढ़ के भूमि पूजन एवं बुद्ध पूणिर्मा समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उप मुख्यमंत्री ने गौतम बुद्ध एवं बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर मालार्पण किया तथा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सभी ने बुद्धम् शरणम् गच्छामि... श्लोक का वाचन किया।

इस दौरान उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने डोंगरगढ़ शहर को 5 करोड़ 20 लाख रूपए की सौगात दी। उन्होंने 15वां वित्त आयोग मद अंतर्गत 1 करोड़ 94 लाख 88 हजार रूपए के राउसकला क्षेत्र में इंटेकवेल, पंप हाऊस एवं पंपिग निर्माण कार्य तथा 71 लाख 62 हजार रूपए की लागत से पनियाजोब क्षेत्र में संक्सन पीठ निर्माण व वीटी मोटर स्थापना कार्य और स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 अंतर्गत 1 करोड़ 8 लाख 21 हजार रूपए की लागत से सूखे एवं गीले कचरे के प्रबंधन हेतु संयंत्रों की स्थापना तथा स्थापित संयंत्रों के उन्नयन व विकास कार्य का भूमि पूजन किया। इसके साथ ही उन्होंने नगर पालिका परिषद् डोंगरगढ़ के विभिन्न वार्डों में अधोसंरचना मद 2025-26 अंतर्गत 1 करोड़ 45 लाख 45 हजार रूपए की लागत से 36 कार्यों का भूमि पूजन किया। उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने नगर पालिका परिषद् डोंगरगढ़ के विकास के लिए 2 करोड़ रूपए स्वीकृत करने की घोषणा की।

उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने बुद्ध पूणिर्मा तथा डोंगरगढ़ में विकास कार्यों की सौगात के लिए सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि भगवान गौतम बुद्ध का अवतरण समाज को नई दिशा तथा मार्गदर्शन देने के लिए हुआ था। उनके विचार एवं संदेश आज भी दुनिया के लिए प्रासंगिक है। हमारा देश गौतम बुद्ध के दिखाए रास्ते पर चल रहा है। गौतम बुद्ध एवं बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने जो राह दिखाई उसका अनुसरण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने कहा है कि किसी भी समाज एवं देश की स्थिति का आंकलन करना हो तो महिलाओं की स्थिति से करना चाहिए। किसी भी घर को स्त्री और पुरूष मिलकर चलाते है। समाज एवं देश के विकास में महिलाओं की भागीदारी जरूरी है। सरकार ने ढाई साल में मोदी की गारंटी को पूरा करने का कार्य किया है।

चाहे प्रधानमंत्री आवास योजना हो या धान खरीदी, किसानों का बोनस तथा महतारी वंदन योजना के तहत महिलाओं के विकास के लिए कार्य करना हो सरकार ने योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया है। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में तेजी से विकास हो रहा है। डोंगरगढ़ शहर को विकास कार्य के लिए अब तक 27.50 करोड़ रूपए प्रदान किए गए है। डोंगरगढ़ का माँ बम्लेश्वरी मंदिर आस्था एवं विश्वास का केन्द्र है। देश भर से दशर्नार्थी एवं श्रद्धालुगण यहां पहुंचते हैं। यहां सुविधाएं बढ़े इसके लिए सरकार प्रतिबद्ध है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह एवं सांसद संतोष पाण्डेय ने डोंगरगढ़ में विकास कार्यों को प्राथमिकता दी है। धाम के सर्वागीण विकास के लिए हरसंभव कार्य किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हमारा शहर स्वच्छ, सुंदर एवं सुविधापूर्ण बने इसके लिए सभी का योगदान होना चाहिए। डबल इंजन की सरकार विकास के लिए समर्पित है।

सांसद संतोष पाण्डेय ने कहा कि माँ बम्लेश्वरी मंदिर प्रांगण में विभिन्न कार्यों का भूमिपूजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इसके पहले 39 करोड़ रूपए की लागत से वाईस एण्ड ब्रिज का निर्माण कराया जा रहा है। 12.5 करोड़ रूपए की लागत से अमृत स्टेशन का निर्माण किया जा रहा है। प्रसाद योजना अंतर्गत 43 करोड़ रूपए की लागत से कैफेटेरिया, मेडिटेशन सेंटर, सोलर यंत्र, श्रीयंत्र सहित विभिन्न दशर्नीय स्थलों का निर्माण किया गया है। जिससे प्रज्ञागिरि एवं बौद्ध तीर्थ स्थल आने वालों की संख्या बढ़ी है। 180 करोड़ रूपए की लागत से राजनांदगांव-डोंगरगढ़ से गोंदिया तक फोर लेन सड़क का निर्माण किया गया है। महापौर मधुसूदन यादव ने कहा कि डोंगरगढ़ में सरकार विकास के क्षेत्र में नया कदम लेकर आयी है। आने वाले समय में नगरीय क्षेत्र में और भी कार्य होंगे। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष रमन डोंगरे, बौद्ध विहार के अध्यक्ष मुन्ना लाल नंदेश्वर, पूर्व विधायक विनोद खांडेकर, पूर्व विधायक रामजी भारती ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम में समाज सेवी कोमल सिंह राजपूत, नवनिर्वाचित अध्यक्ष राजगामी संपदा न्यास पूणिर्मा साहू, माँ बम्लेश्वरी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल, मां बम्लेश्वरी ट्रस्ट समिति के उपाध्यक्ष अनील गट्टानी सहित ट्रस्ट समिति के अन्य पदाधिकारी, बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं नागरिक उपस्थित थे।

कलेक्टर ममगाई की पहल से बेसहारा बच्चों को मिला नया जीवन संबल

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

जिला मुख्यालय बेमेतरा के मोहभट्ठा वार्ड क्रमांक 6 में रहने वाले तीन ऐसे भाई-बहन, जिनके माता-पिता का आकस्मिक निधन हो गया है, पूर्णतः बेसहारा हो गए थे। इन बच्चों को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने हेतु जनदर्शन में आवेदन प्रस्तुत किया गया था।

मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने त्वरित कार्यवाही करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी जी.आर. चतुर्वेदी को निर्देशित किया कि बालिकाओं को विद्यालय में प्रवेश दिलाते हुए उनके रहने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। निर्देशानुसार जिला शिक्षा अधिकारी श्री चतुर्वेदी द्वारा कस्तूरबा विद्यालय बेमेतरा की अधीक्षिका श्रीमती भारती घृतलहरे को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। इसके पश्चात अधीक्षिका द्वारा कु. पूनम पाटिल (उम्र 14 वर्ष) एवं कु. रितु पाटिल (उम्र 9 वर्ष) को कस्तूरबा विद्यालय बेमेतरा में प्रवेश प्रदान करते हुए छात्रावास में रहने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। वहीं उनके भाई अशोक पाटिल (उम्र 10 वर्ष) को कवर्धा स्थित बालक छात्रावास में प्रवेश दिलाया गया है।

उल्लेखनीय है कि तीनों भाई-बहनों के माता-पिता के निधन के पश्चात उनके समक्ष जीवनयापन की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई थी, जिसे जिला प्रशासन ने संवेदनशीलता के साथ निराकृत किया। कलेक्टर के प्रति आभार व्यक्त करने हेतु जिला शिक्षा अधिकारी जी.आर. चतुर्वेदी एवं अधीक्षिका श्रीमती भारती घृतलहरे द्वारा दोनों बालिकाओं को कलेक्टर से भेंट कराई गई, जहां कलेक्टर ने उन्हें स्नेहपूर्ण आशीर्वाद प्रदान किया। जिला प्रशासन बेमेतरा द्वारा निरंतर ऐसे जरूरतमंद बच्चों को सहायता प्रदान कर उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं।

श्रमिक दिवस पर श्रम कानूनों की दी गई जानकारी

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के स्टेट प्लान ऑफ एक्शन कैलेंडर 2026-27 के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बेमेतरा के मार्गदर्शन में नवीन निर्माणाधीन जिला एवं सत्र न्यायालय भवन बेमेतरा में कार्यरत श्रमिकों के लिए विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सचिव स्वर्णलता ओम यादव द्वारा श्रमिकों को श्रम कानूनों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

इस दौरान उन्होंने श्रमिक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए बताया कि प्रत्येक वर्ष 01 मई को श्रमिकों के सम्मान के लिए यह दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि भवन, सड़क और अन्य निर्माण कार्यों में श्रमिकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है और उनके बिना कोई भी निर्माण संभव नहीं है।

श्रमिकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए बताया गया कि देश की उन्नति, समृद्धि और खुशहाली में उनका अहम योगदान है। इस अवसर पर श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। इसी क्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकार मित्रों द्वारा नवीन निर्माणाधीन कृषि महाविद्यालय बेमेतरा, बी.टी.आई. रोड, ग्राम मोहभट्ठा एवं ग्राम निनवा में भी विधिक जागरूकता शिविर आयोजित कर श्रम कानूनों की जानकारी दी गई। शिविर में बताया गया कि श्रमिकों के सम्मान और अधिकारों की रक्षा के उद्देश्य से इस दिवस का आयोजन किया जाता है। अधिकार मित्रों ने यह भी जानकारी दी कि किसी भी प्रकार की कानूनी सहायता के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बेमेतरा या तहसील स्तर पर तालुका विधिक सेवा समिति से संपर्क कर निःशुल्क सहायता प्राप्त की जा सकती है।

कलेक्टर ने आधी रात को जिला अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

राजनांदगांव। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने बीती रात जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया। देर रात पहुंचे कलेक्टर ने अस्पताल में उपलब्ध व्यवस्थाओं, साफ-सफाई, मरीजों को मिल रही सुविधाओं एवं ड्यूटी पर तैनात स्टाफ की उपस्थिति की जांच की।

कलेक्टर ने इमरजेंसी वार्ड, ओपीडी, वार्डों एवं दवा वितरण कक्ष का निरीक्षण किया। उन्होंने मरीजों एवं उनके परिजनों से बातचीत कर उपचार एवं सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर ने अस्पताल में भर्ती मरीजों को समय पर उपचार एवं आवश्यक दवा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने ड्यूटी पर तैनात डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ एवं अन्य कमर्चारियों को निर्देशित किया कि मरीजों के उपचार में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए और अस्पताल में व्यवस्थाएं बेहतर बनाए रखें। कलेक्टर ने कहा कि जिला अस्पताल में आम जनता को बेहतर एवं त्वरित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है।

बेमेतरा में नील-हरित शैवाल उत्पादन को बढ़ावा, टिकाऊ कृषि की दिशा में बड़ा कदम

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

जिले में कृषि क्षेत्र को अधिक उन्नत, किफायती और पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में नील-हरित शैवाल (ब्लू ग्रीन Algae) का उत्पादन प्रारंभ किया गया है। जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग के संयुक्त प्रयासों से शासकीय प्रक्षेत्र मोहगांव में इस जैविक तकनीक को सफलतापूर्वक विकसित किया गया है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य किसानों को कम लागत में अधिक उत्पादन उपलब्ध कराना तथा रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता को कम करना है। नील-हरित शैवाल, जिसे जैव उर्वरक के रूप में जाना जाता है, धान सहित विभिन्न फसलों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रहा है।

मदर कल्चर के माध्यम से जिलेभर में विस्तार की योजना

कृषि विभाग द्वारा मोहगांव प्रक्षेत्र में तैयार किए गए नील-हरित शैवाल के मदर कल्चर का उपयोग करते हुए इसे जिले के अन्य गांवों एवं कृषकों के खेतों तक विस्तार देने की कार्ययोजना तैयार की गई है। इसी क्रम में ग्राम मौहाभाठा के प्रगतिशील कृषक टोकेश्वर साहू के खेत में भी नील-हरित शैवाल का उत्पादन सफलतापूर्वक प्रारंभ किया गया है। विभाग का लक्ष्य है कि इस नवाचार को जिले के अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाया जाए, जिससे वे अपने खेतों में इसका उपयोग कर सकें और उत्पादन में वृद्धि के साथ-साथ लागत में कमी ला सकें।

मृदा स्वास्थ्य सुधार व लागत में कमी का प्रभावी माध्यम

नील-हरित शैवाल का उपयोग मृदा की उर्वरता बढ़ाने में अत्यंत सहायक होता है। यह वायुमंडलीय नाइट्रोजन को स्थिर कर मिट्टी में उपलब्ध कराता है, जिससे फसलों को प्राकृतिक रूप से पोषण मिलता है। इसके उपयोग से रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता कम हो जाती है, जिससे किसानों की लागत घटती है और पर्यावरण पर पड़ने वाला दुष्प्रभाव भी कम होता है। साथ ही यह मृदा की संरचना एवं जैविक गतिविधियों को सुधारने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिससे दीघर्कालीन कृषि उत्पादकता में वृद्धि होती है।

कृषि विभाग द्वारा प्रशिक्षण और तकनीकी मार्गदर्शन

कृषि विभाग द्वारा किसानों को नील-हरित शैवाल उत्पादन एवं उसके प्रभावी उपयोग के संबंध में निरंतर प्रशिक्षण एवं तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है। विशेषज्ञों द्वारा खेत स्तर पर प्रदर्शन, कार्यशालाएं एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि किसान इस तकनीक को आसानी से समझकर अपनाएं। इसके साथ ही किसानों को आवश्यक संसाधन एवं सहायता भी उपलब्ध कराई जा रही है।

टिकाऊ कृषि और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

यह पहल न केवल किसानों की आय में वृद्धि करने में सहायक होगी, बल्कि टिकाऊ कृषि को भी बढ़ावा देगी। रासायनिक उर्वरकों के कम उपयोग से मिट्टी, जल एवं पर्यावरण का संरक्षण संभव होगा, जिससे आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ कृषि प्रणाली सुनिश्चित की जा सकेगी। यह प्रयास राज्य एवं केंद्र सरकार की जैविक एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की नीति के अनुरूप भी है।

किसानों से अपील : नवाचार अपनाकर बढ़ाएं उत्पादन

उप संचालक कृषि मोरध्वज डडसेना ने जिले के समस्त कृषकों से अपील की है कि वे नील-हरित शैवाल जैसी उन्नत एवं लाभकारी तकनीक को अपनाएं। उन्होंने कहा कि यह तकनीक न केवल उत्पादन क्षमता को बढ़ाने में सहायक है, बल्कि खेती को अधिक लाभकारी एवं पर्यावरण के अनुकूल बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। किसानों को चाहिए कि वे इस नवाचार का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और आधुनिक, टिकाऊ कृषि की दिशा में आगे बढ़ें। बेमेतरा जिले में नील-हरित शैवाल उत्पादन की यह पहल आने वाले समय में कृषि क्षेत्र में एक मॉडल के रूप में स्थापित हो सकती है, जिससे अन्य जिलों के किसान भी प्रेरणा लेकर इसे अपनाएंगे।

निगम में भ्रष्टाचार और अनियमितता को लेकर, भाजपा का प्रदर्शन चुनावी हथकंडा : मुकेश चंद्राकर

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

पार्टी में खुलकर हो रही खेमेबाजी को छुपाने के लिए यह प्रदर्शन

भिलाई शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर ने निगम में भ्रष्टाचार और अनियमितता को लेकर भाजपा के प्रदर्शन को पूर्ण रूप से चुनावी हथकंडा बताया है। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े चार वर्षों से चुप्पी साधे भाजपाइयों को अचानक निगम में भ्रष्टाचार दिखने लगा है। राज्य में अपनी सरकार है, केंद्र में अपनी सरकार है, इसके बावजूद यदि भाजपाइयों को समस्याओं को लेकर सड़क पर उतरना पड़ रहा है तो यह एक विडंबना है। श्री चंद्राकर ने कहा कि अपनी ही पार्टी में खुलकर हो रही खेमेबाजी को छुपाने के लिए यह प्रदर्शन किया गया। लेकिन प्रदर्शन के दौरान ही उनकी गुटबाजी स्पष्ट रूप से देखने को मिली।

श्री चंद्राकर ने कहा कि डेढ़ माह पूर्व भिलाई निगम की विशेष बैठक में भाजपा पाषर्दों ने ही निगम आयुक्त के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया था, जो कांग्रेस पाषर्दों के सहयोग से पारित भी हो गया। यही नहीं अगले दिन भाजपाई निगम आयुक्त को हटाने कलेक्टर तक जा पहुंचे। फिर अचानक क्या हुआ कि भाजपाइयों को निगम आयुक्त पर प्यार आने लगा। निगम आयुक्त को भ्रष्टाचारी कहने वाले भाजपाइयों ने उन्हें पाक साफ बता दिया और सारा ठीकरा महापौर पर फोड़ दिया।

श्री चंद्राकर ने कहा कि भाजपा पाषर्दों में निगम आयुक्त की कार्य प्रणाली को लेकर आज भी दो गुट आमने-सामने हैं जिसे छुपाने का प्रयास प्रदर्शन के दौरान किया गया जो सबकी आंखों के सामने दिखा। भाजपाई निगम में भ्रष्टाचार और अनियमितता का जो राग अलाप रहे हैं उसके लिए डेढ़ माह पहले निगम आयुक्त और महापौर दोनों दोषी थे। लेकिन अब निगम आयुक्त को आरोपों से मुक्त कर दिया गया है। स्पष्ट है कि भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के कड़े निर्देश के बाद ही ऐसा किया गया। आयुक्त को लेकर भाजपा पार्षद आपस में ही जिस तरह बयानबाजी कर रहे थे वह भाजपा के वरिष्ठ नेताओं को पसंद नहीं आया। और फिर पूरा खेल खेला गया लेकिन भाजपा को इसमें सफलता नहीं मिली। प्रदर्शन के दौरान ही गुटबाजी खेमेबाजी खुलकर सामने आ गई और प्रदर्शन की नौटंकी का पर्दाफाश हो गया।

बिना अनुमति हाईवे पर प्रदर्शन

श्री चंद्राकर ने कहा कि भाजपाई सत्ता के नशे में इतना चूर हैं कि वे बिना अनुमति नेशनल हाईवे को भी जाम कर दे रहे हैं। उन्हें पब्लिक से कोई लेना देना नहीं। उनके प्रदर्शन के दौरान कई घंटे तक ट्रैफिक व्यवस्था बदहाल रही। यहां तक की एंबुलेंस जैसे इमरजेंसी वाहन को भी निकलने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। लोग तपती धूप में परेशान हुए वह अलग। ट्रैफिक पुलिस ने बाकायदा उनके इस जाम में सहयोग किया और बैरिकेट लगाकर हाईवे को अवरुद्ध किया जो कि एक अपराध है। बिना अनुमति हाईवे को जाम कर प्रदर्शन करने के आरोप में भाजपाइयों और ट्रैफिक पुलिस दोनों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए।

छत्तीसगढ़ में प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग हाईकोर्ट ने मुख्य सचिव से मांगा शपथ पत्र

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ में प्लास्टिक और पॉलिथीन के उपयोग, विक्रय, वितरण, परिवहन, संग्रहण एवं आयात इत्यादि पर रोक के बावजूद अनियंत्रित रूप से इनका उपयोग होने के कारण, रायपुर निवासी नितिन सिंघवी द्वारा दायर जनहित याचिका पर छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश तथा न्यायमूर्ति रवींद्र कुमार अग्रवाल की पीठ ने मुख्य सचिव से शपथ पत्र मांगा है। मामले की अगली सुनवाई 13 मई को निर्धारित की गई है।

क्या है पूरा मामला?

छत्तीसगढ़ में 'छत्तीसगढ़ प्लास्टिक एंड अदर नॉन-बायोडिग्रेडेबल मटेरियल (रेगुलेशन ऑफ यूज एंड डिस्पोजल) एक्ट, 2020' तथा 'छत्तीसगढ़ प्लास्टिक एंड अदर नॉन-बायोडिग्रेडेबल मटेरियल (रेगुलेशन ऑफ यूज एंड डिस्पोजल) नियम, 2023' लागू हैं। इसके तहत शासन ने विभिन्न प्लास्टिक उत्पादों पर कड़े प्रतिबंध लगाए हैं, जिनमें प्लास्टिक कैरी बैग (हैंडल सहित या बिना), नॉन-वुवेन पोलीप्रोपलीन बैग और डिस्पोजेबल वस्तुएं जैसे कप, प्लेट, कटोरे, गिलास, कांटे, चम्मच एवं स्ट्रॉ शामिल हैं। इसके साथ ही तरल पदार्थों के डिस्पोजेबल पाउच, खाद्य एवं अनाज की पैकेजिंग, उत्पादों को लपेटने वाली प्लास्टिक, प्लास्टिक/थर्मोकॉल की सजावटी सामग्री, झंडे और तंबाकू उत्पादों (गुटका, पान मसाला) के सैशे पर भी रोक लगाई गई है। विज्ञापन सामग्री में उपयोग होने वाले फ्लेक्स, बैनर और फोम बोर्ड (PVC/क्लोरीनयुक्त प्लास्टिक), 200 मिलीलीटर से कम क्षमता वाली PET बोतलें और गैर-पुनर्चक्रणीय मल्टी-लेयर पैकेजिंग को भी प्रतिबंधित श्रेणी में रखा गया है।

छूट की श्रेणियां

इन प्रतिबंधों से कुछ विशेष क्षेत्रों में छूट भी दी गई है; जैसे दवाइयों और मेडिकल उत्पादों के लिए प्लास्टिक बैग और कृषि या बागवानी के लिए CPCB प्रमाणित 'कम्पोस्टेबल बैग' को अनुमति दी गई है। इसके अतिरिक्त, निर्यात के लिए 20% पुर्नचक्रित सामग्री वाले बबल प्लास्टिक, 50 माइक्रोन से अधिक मोटाई वाले दूध के पैकेट (फूड ग्रेड वर्जिन प्लास्टिक और बाय-बैक योजना सहित) और 50 माइक्रोन से अधिक की अनाज पैकेजिंग को छूट प्राप्त है। उच्च-खाद्य ग्रेड वाली 200 मिलीलीटर से अधिक की बोतलें और पुर्नचक्रणीय मल्टी-लेयर या कार्टन पैकेजिंग को भी EPR (Extended Producer Responsibility) प्लान प्रस्तुत करने के उपरांत प्रतिबंध से मुक्त रखा गया है।

छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल ने नहीं दिया समिति का प्रस्ताव

छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा कोई कार्यवाही न किये जाने के कारण सिंघवी द्वारा जन हित जचिका दायर की गई है। याचिका में बताया गया है कि याचिकाकर्ता द्वारा दिसंबर 2025 में प्रतिबंधित प्लास्टिक के खतरे को रोकने के लिए यह सुझाव दिया गया था कि आवास एवं पर्यावरण विभाग के सचिव की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति बनाई जाए, जिसमें गृह विभाग तथा जलवायु परिवर्तन विभाग के सदस्यों को भी शामिल किया जाए। समिति सबसे पहले यह पता लगाए कि प्रतिबंधित 'सिंगल यूज प्लास्टिक' कैरी बैग छत्तीसगढ़ में कहाँ निर्मित हो रहे हैं और कहाँ से आ रहे हैं।

इस खतरे से निपटने के लिए विभिन्न विशेष जांच दलों (SIT) के गठन का प्रस्ताव दिया गया था, जो राज्य की सीमाओं पर (RTO और पुलिस के माध्यम से) ट्रकों की चेकिंग करेंगे। स्थानीय निर्माताओं के बिजली खपत के पैटर्न से यह पता लगाया जा सकता है कि वहाँ उत्पादन हो रहा है या नहीं। साथ ही, GST विवरणों की भी जांच होनी चाहिए, क्योंकि बहुत सारे प्रतिबंधित आइटम का विक्रय जीएसटी बिल के तहत किया जा रहा है। ये दल होटलों व ऑनलाइन डिलीवरी सेवाओं द्वारा उपयोग की जा रही पैकेजिंग के स्रोतों की भी पहचान करेंगे। इसके अतिरिक्त, यह मांग भी की गई है कि नॉन-वुवेन बैग और विज्ञापनों में प्रयुक्त फ्लेक्स/बैनर के नमूनों की जांच कराई जाए और नियमों का उल्लंघन करने वाले उत्पादकों पर नकेल कसी जाए, ताकि नियमों में दी गई छूट का दुरुपयोग न हो सके और प्रतिबंधित प्लास्टिक की पूरी सप्लाई चेन को ध्वस्त किया जा सके।

पर्यावरण संरक्षण मंडल को समिति का प्रारूप भेजने का दिया था आदेश

इन नियमों का पालन न होने के कारण सिंघवी अगस्त 2024 से लगातार शासन से पत्राचार कर रहे थे। उन्होंने मांग की थी कि प्रतिबंध लागू करने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति बनाई जाए। लगातार पत्राचार और छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा अव्यावहारिक निर्देश जारी किए जाने के कारण, छत्तीसगढ़ शासन के आवास एवं पर्यावरण विभाग ने नवंबर 2025 में मंडल को आदेशित किया कि मंडल बताये कि प्रतिबंधित पॉलीथिन और अन्य प्लास्टिक सामग्री के प्रसार को रोकने के संबंध में किन-किन विभागों की समिति बनाई जानी है और उनके द्वारा क्या कार्यवाही की जाएगी। साथ ही, स्पष्ट जानकारी के साथ प्रस्ताव और समिति आदेश का प्रारूप शासन को प्रेषित करें।

प्रतिबंधित नशीली टेबलेट की सप्लाई करने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार, दुर्ग का तस्कर भी शामिल

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

कमिश्नरेट पुलिस ने प्रतिबंधित नशीली टेबलेट की सप्लाई करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में एक दुर्ग जिले का तस्कर भी शामिल है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 73 नग स्पासमो और नाईट्रोसन-10 टेबलेट जब्त की हैं। जब्त दवाओं की कीमत करीब 29,200 रुपये है।

गोकुल नगर श्मशान घाट के पास पकड़े गए

एण्टी क्राईम एण्ड साइबर यूनिट को मुखबिर से सूचना मिली थी कि टिकरापारा क्षेत्र के गोकुल नगर स्थित श्मशान घाट के पास दो संदिग्ध प्रतिबंधित नशीली टेबलेट बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहे हैं। पुलिस उपायुक्त स्मृतिक राजनाला और पुलिस उपायुक्त संदीप पटेल के निर्देश पर एण्टी क्राईम यूनिट और टिकरापारा पुलिस की संयुक्त टीम ने घेराबंदी कर दोनों को पकड़ा।

भागने की कोशिश, दस्तावेज नहीं दिखा पाए

पुलिस को देखकर आरोपी भागने लगे। घेराबंदी कर पकड़े गए आरोपियों की पहचान कपिल तिवारी, 19 वर्ष, दुर्गा नगर अमलेश्वर दुर्ग और मोहम्मद अनीश, 52 वर्ष, संजय नगर मदनी चौक रायपुर के रूप में हुई। तलाशी में उनके पास से स्पासमो और नाईट्रोसन-10 की 73 टेबलेट मिलीं। वैध दस्तावेज मांगने पर आरोपी कोई कागजात नहीं दिखा पाए।

पहले भी जेल जा चुका है अनीश

आरोपी मोहम्मद अनीश को 2025 में भी टिकरापारा पुलिस ने नारकोटिक एक्ट के तहत नशीली टेबलेट के साथ पकड़ा था। उस पर अपराध क्रमांक 809/25 दर्ज है।

सरहदी जिलों से हो रही सप्लाई

पुलिस के मुताबिक कमिश्नरेट पुलिस की लगातार कार्रवाई और दबाव के कारण अब सरहदी जिलों से नशीली दवाओं की सप्लाई हो रही है। दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना टिकरापारा में अपराध क्रमांक 389/26 धारा 22(ख) नारकोटिक एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंकेज के आधार पर अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

आरंग के पास नहर में मिली अज्ञात शख्स की लाश

रायपुर। आरंग थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम तोता के पास उस वक्त हड़कंप मच गया जब नहर में एक अज्ञात व्यक्ति की लाश मिलने की खबर सामने आई। यह घटना बुधवार सुबह करीब 10 बजे की बताई जा रही है। स्थानीय लोगों ने नहर में शव को देखा, जिसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकलवाया। मृतक की उम्र लगभग 35 वर्ष के आसपास बताई जा रही है, हालांकि उसकी पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। प्रारंभिक जांच में मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। मामले को संदिग्ध मानते हुए हर पहलू से जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असली कारणों का पता चल सकेगा।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने किया 995.86 लाख रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-पाटन

नगर पंचायत पाटन में सुशासन तिहार-2026 अंतर्गत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में उपमुख्यमंत्री अरुण साव शामिल हुए। उन्होंने यहां पर क्षेत्र के विकास को नई गति देने 09 करोड़ 95 लाख रूपए के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। जिसमें 508.40 लाख रूपये की लागत के निर्माण कार्यों का भूमिपूजन और 487.46 लाख रूपये की लागत के निर्माण कार्यों का लोकार्पण शामिल है। सांसद विजय बघेल उपस्थित रहे। इस दौरान नगर पंचायत पाटन के जनप्रतिनिधियों ने उपमुख्यमंत्री अरूण साव को गजमाला पहनाकर स्वागत किया।

विकास कार्यो के लोकार्पण के पहले उपमुख्यमंत्री श्री साव ने विकसित कृषि संकल्प अभियान की प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जो 20 मई तक गांव-गांव में जाकर कृषि संबंधित नई तकनीक एवं सरकारी की योजनाओं की जानकारी देगा और किसानों के साथ सीधा संवाद करेगा। उन्होंने शिविर का निरीक्षण किया और अधिकारियों को शिकायत एवं मांगों संबंधी आवेदनों का तत्परतापूर्वक निराकरण करने के निर्देश दिये।

समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि एक ही दिन में इतने बड़े पैमाने पर विकास कार्यों का लोकार्पण पहले कभी नहीं हुआ। उन्होंने पिछले वर्षों की तुलना करते हुए कहा कि वतर्मान सरकार ने कम समय में अधिक कार्य किए हैं। बीते दो वर्षों में नगर पंचायत पाटन को विभिन्न योजनाओं के तहत लगभग 23 करोड़ 87 लाख रुपये की राशि प्रदान की गई है, जिससे शहर के विकास को नई गति मिली है। सड़कों, स्वच्छता, आवास और मूलभूत सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने सरकार की विभिन्न योजनाओं का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना, किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी, महतारी वंदन योजना के तहत 27 महीनों की राशि के भुगतान के साथ अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की उपलब्धियों को साझा किया।

उपमुख्यमंत्री श्री साव ने स्वच्छता पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता सर्वेक्षण में सात निकायों को राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार मिला था, जिसमें पाटन को भी सम्मानित किया गया था और बिल्हा विकासखंड पहले नम्बर था। उन्होंने कहा कि हमारा प्रदेश स्वच्छ और सुंदर बने इसके लिए राज्य सरकार योजनाबद्ध कार्य कर रही है। राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को पूरा करने का काम कर रही है। उन्होंने नागरिकों से अपील की गई कि वे अपने शहर को साफ-सुथरा और सुंदर बनाए रखने में सक्रिय सहयोग दें, क्योंकि बाहरी लोग सबसे पहले शहर की स्वच्छता और व्यवस्था को ही देखते हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सभी गांव और शहर में प्रधानमंत्री आवास बन रहे हैं। दो सालों में 26 लाख प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत हुई है। सर्वाधिक आवास छत्तीसगढ़ में बन रहे हैं। इस अवसर पर नगर पंचायत पाटन अध्यक्ष ने विभिन्न विकास कार्यो के लिए राशि की मांग करने पर उन्हें आश्वासन दिया।

कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री श्री साव ने 487.46 लाख रुपये की कुल लागत से तैयार हो चुके जनहितकारी कार्यों का लोकार्पण कर उन्हें जनता को समर्पित किया। इसमें वार्ड क्रमांक 01 स्थित इंदिरानगर स्कूल में 70 लाख रुपये की लागत से बने अतिरिक्त कक्षों का उद्घाटन शामिल रहा।

साथ ही वार्ड क्रमांक 03 में 240.16 लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित व्यावसायिक परिसर सह सामुदायिक भवन और वार्ड क्रमांक 12 में महामाया मंदिर के समीप 177.30 लाख रुपये की लागत से तैयार सामुदायिक भवन का भी भव्य लोकार्पण किया गया। इसके अतिरिक्त भविष्य की जरूरतों को देखते हुए उपमुख्यमंत्री श्री साव ने पाटन के विभिन्न वार्डों में 508.40 लाख रुपये की स्वीकृत राशि के नए कार्यों का भूमिपूजन किया।

इस अवसर पर नगर पंचायत पाटन अध्यक्ष योगेश निक्की भाले, उपाध्यक्ष श्रीमती निशा योगेश सोनी, सभापति लो.नि.वि. केवलचंद देवांगन, सांसद प्रतिनिधि सागर पाठक, पीआईसी सदस्य जितेन्द्र कुमार निर्मलकर, श्रीमती नेहा बाबा वर्मा, पार्षदगण चन्द्रप्रकाश देवांगन, पुरूषोत्तम कश्यप, श्रीमती अनिता सरजू साहू, उप अभियंता प्रवीण कुमार साहू, मुख्य नगर पालिका अधिकारी हेमंत कुमार वर्मा सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं ग्रामवासी उपस्थित थे।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100